सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 111 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 02 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

स्कूल के हेडमास्टर ने जबरन पढ़ावाई नमाज

मथुरा। जिले के नौहझील स्थित एक प्राथमिक विद्यालय के हेडमास्टर पर मासूम बच्चों का ब्रेनवॉश करने और उन्हें जबरन नमाज पढ़ाने का गंभीर आरोप लगा है। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए हेडमास्टर जान मोहम्मद को प्रथम दृष्टया दोषी मानकर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। भाजपा बाजना मंडल अध्यक्ष दुर्गेश प्रधान की शिकायत के अनुसार, आरोपी हेडमास्टर जान मोहम्मद काफी समय से बच्चों को बहला-फुसलाकर इस्लाम धर्म के प्रति प्रेरित कर रहा था। आरोप है कि विद्यालय परिसर में बाहर से तबलीगी जमात के लोगों को बुलाया जाता था, जो बच्चों पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाते थे। बच्चों को सिखाया जाता था कि इस्लाम ही दुनिया का सर्वोत्तम धर्म है।

रील बनाने के लिए वंदेभारत के ट्रैक पर डाले लट्ठे

पटना। बिहार में कुछ लड़कों ने रील बनाने के चक्कर में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को रोक दिया। घटना पटना के बख्तियारपुर के बीच की बताई जा रही है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। पांच लड़के जो नाबालिग लग रहे हैं, वंदे भारत के सामने पटरी पर रील बनाने के लिए मोटी-मोटी लकड़ी रखकर ट्रैक को अवरोध कर देते हैं। वीडियो सामने आने के बाद रेल प्रशासन मामले की जांच में जुट गया है। पांचों लड़कों की पहचान की जा रही है। रेलवे सूत्रों के अनुसार, पटना मोकामा रेलखंड के बख्तियारपुर लिंक स्टेशन के पास का है। वीडियो में दिखाई देता है कि एक लड़का कहता है कि आज हम लोग ट्रेन को रोकने के लिए आए हैं। हम ट्रेन को रोक कर ही रहेंगे।

वायु सेना ने बचाई 85 साल की बीमार महिला की जान

चंडीगढ़। इंडियन एयर फोर्स ने रविवार को हिमाचल प्रदेश में एक बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। हिमाचल में भारी बर्फबारी के कारण सभी सड़कें बंद हो गई थी, जिसके बाद आईएएफके चीता हेलीकॉप्टर ने राज्य के धांडेरवारी गांव से 85 साल की लकवाग्रस्त महिला को इमरजेंसी मेडिकल इवैक्यूएशन करके चंडीगढ़ पहुंचाया। यह इवैक्यूएशन समुद्र तल से करीब 9,000 फीट की ऊंचाई पर भारी बर्फबारी और कम विजिबिलिटी के बीच किया गया। समय पर इलाज मिलने के बाद अब उसकी हालत स्थिर है।

सामने आया जॉली एलएलबी पार्ट-2, पिट गया ढोंगी

भिंड। मध्य प्रदेश के भिंड जिले में भिक्षा मांग रहे दो साधुओं के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोपियों ने साधुओं के साथ बेरहमी से मारपीट की। दोनों साधु भिंड बाइपास पर भिक्षा मांग रहे थे। इस दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों को शक हुआ। लोगों ने दोनों साधुओं को घेर लिया और उनसे सवाल पूछने लगे। साधु जवाब नहीं दे पाए। भीड़ का गुस्सा बढ़ने लगा तो उन्होंने साधुओं की पिटाई कर दी। इसके बाद उनके थैलों की तलाशी ली जहां से उर्दू में लिखे दस्तावेज मिले।

हाथी शावक की मौत के बाद ग्रामीणों ने किया दशकर्म, शांतिभोज का भी आयोजन

ग्रामीणों ने भजन कीर्तन व पूजा पाठ भी किया

श्रीकंचपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में दिसंबर 2025 को एक हाथी शावक की बड़झरिया तालाब में डूबने से मौत हो गई थी। रविवार को ग्रामीणों ने क्षेत्र के शुद्धिकरण, वन और वन्यप्राणियों की सुरक्षा और किसी भी प्रकार की जनहानि न हो, इस उद्देश्य से पूजा-पाठ कर मृत्युभोज का आयोजन किया। मामला रायगढ़ वन परिक्षेत्र के बंगुरसिया सर्किल का है।

शावक की मौत के बावजूद हाथियों का झुंड कई दिनों तक आसपास के जंगल में ही डटा रहा। हाथियों के कारण धान मंडी में रखी धान की बोरियों को लगातार नुकसान पहुंच रहा था। ऐसे में बंगुरसिया और नवागांव के ग्रामीणों ने शुद्धिकरण, वन और वन्यप्राणियों की सुरक्षा और जनहानि की आशंका को दूर करने के लिए शनिवार को दशकर्म का आयोजन किया। आपसी चंदा कर कार्यक्रम की व्यवस्था की। रविवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण उसी स्थान पर एकत्रित हुए, जहां हाथी शावक की मौत हुई थी। इसके बाद बैगा और ग्रामीणों ने शिव-गणेश मंदिर में भजन-कीर्तन, पूजा-अर्चना की और मृत्युभोज के रूप में भोजन ग्रहण किया।

जानिए कैसे हुई थी हाथी शावक की मौत

19 दिसंबर 2025 की रात करीब 32 हाथियों का झुंड बंगुरसिया स्थित बड़झरिया तालाब में नहाने पहुंचा था। इस दौरान एक शावक पानी में डूब गया। काफी देर तक शावक के बाहर नहीं आने पर अन्य हाथियों ने उसे निकालने का प्रयास किया।लेकिन जब वह नहीं उठा तो पूरा झुंड चिंघाड़ने लगा। हाथियों की आवाज सुनकर वन अमला और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और किसी तरह हाथियों को वहां से दूर किया गया। इसके बाद शावक के मृत होने की पुष्टि हुई।

छत्तीसगढ़ में हिंसक झड़प : विवाद के बाद घरों को लगाई आग, वाहनों को भी फूंका

■ गरियाबंद का मामला : पुलिसकर्मी भी घायल, गांव में भारी पुलिस बल तैनात

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में पुराने विवाद को लेकर दो समुदायों में हिंसक झड़प हो गई। इस दौरान आगजनी की घटना भी हुई, जिसमें एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के घरों पर हमला कर दिया और 10 घरों में आग लगा दी। वहीं, तीन से चार वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया गया। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामला फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के बकली गांव का है। हालात को देखते हुए गांव को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। गुस्साएं लोगों ने पुलिस पर भी पथराव किया। इस दौरान एक जवान घायल हुआ है। बेहोशी की हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया। देर रात एसपी मौके पर पहुंचे, जिसके बाद माहौल शांत है लेकिन कर्फ्यू जैसे हालात बने हुए हैं।

यह पूरा मामला पुराना विवाद और लूटपाट की घटना से जुड़ा है। दरअसल हथखोज गांव में करीब चार महीने पहले कुछ अपराधियों का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था, जिसमें वो राहगीरों से लूटपाट और मारपीट करते दिखे थे। इसके बाद फिंगेश्वर पुलिस ने सभी आरोपियों को पकड़कर जेल भेज दिया था। जेल से छूटने के बाद रविवार सुबह 11 बजे आरोपियों ने बकली गांव में शिकायतकर्ता को देखते ही मारपीट शुरू कर दी। देखते ही देखते यह मामला दो समुदायों के बीच संघर्ष में बदल गया।

डेढ़ साल पहले की थी शिवमंदिर में तोड़फोड़

गांव वालों ने बताया कि हमलावरों ने डेढ़ साल पहले गांव के शिव मंदिर को तोड़ दिया था, जिसका मामला फिलहाल कोर्ट में विचाराधीन है। आरोपी अभी जमानत पर छूटे हुए हैं। इसी विवाद को हमला किया गया।

आरोपियों के घरों में लगाई आग

एक समुदाय के लोगों ने दूसरे समुदाय के लोगों पर हथियारों से हमला किया।इसके बाद दूसरे समुदाय के लोगों का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने आरोपियों के घरों में आग लगा दी। इस आगजनी में तीन से चार गाड़ियां भी जल गई। हालात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने गांव में भारी संख्या में बल तैनात किया है। कल रात फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस को मौके पर बुलाया गया था। हालात ऐसे हैं कि सोमवार को भी क्षेत्र में पुलिस बल तैनात रहा।

विश्वकप में नहीं होगा भारत-पाक का मैच

■ आईसीसी ने कहा सूचना नहीं, ऐसा हुआ तो होगी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली। पाकिस्तान के टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने और आगामी विश्व कप में शामिल होने के फैसला किया है। पाकिस्तान सरकार ने रविवार को पाकिस्तान टीम के आगामी विश्व कप में शामिल होने की जानकारी दी और बताया कि उनकी टीम भारत के खिलाफ खेले जाने वाले 15 फरवरी के मुकाबले का बहिष्कार करेगी।

इस पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने प्रतिक्रिया दी है। खेल की वैश्विक संस्था ने कहा है कि उन्हें पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से आधिकारिक सूचना का इंतजार है। पाकिस्तान सरकार के इस फैसले पर आईसीसी ने कहा कि वह पीसीबी से आधिकारिक संवाद की प्रतीक्षा कर रहा है, लेकिन चयनात्मक भागीदारी का यह रुख किसी भी वैश्विक खेल प्रतियोगिता की मूल भावना के विपरीत है।आईसीसी के अनुसार, विश्व स्तरीय टूर्नामेंट में सभी योग्य टीमें तय कार्यक्रम के अनुसार समान शर्तों पर भाग लेती हैं। आईसीसी ने उम्मीद जताई है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अपने देश में क्रिकेट के भविष्य पर पड़ने वाले दीर्घकालिक और गंभीर प्रभावों पर विचार करेगा। आईसीसी ने स्पष्ट किया कि उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का सफल आयोजन है, जिसकी जिम्मेदारी पीसीबी सहित सभी सदस्य देशों की है। यदि इसके बाद भी पाकिस्तान ऐसा करता है तो इसके गंभीर परिणाम सामने आएंगे।

ठंड का असर कम, दिन में गर्मी बढ़ी, छत्तीसगढ़ में पांच दिन मौसम ड्राई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब ठंड धीरे-धीरे कम होने लगी है। दिन के तापमान में बढ़ोतरी के कारण दोपहर के समय गर्मी महसूस की जा रही है, जबकि सुबह और शाम की ठंड पहले जैसी नहीं रही है। प्रदेश में फिलहाल मौसम शुष्क (ड्राई) बना हुआ है।

मौसम विभाग ने बताया है कि अगले पांच दिनों तक तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है, जिससे ठंड में धीरे-धीरे और कमी आएगी। बीते 24 घंटों में प्रदेश में सबसे अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री सेल्सियस रायपुर में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया है।

7 फरवरी को 'बस्तर पंडुम-2026' का उद्घाटन करेंगी राष्ट्रपति मुर्मू

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 7 फरवरी 2026 को एक दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के जगदलपुर आएंगी। अपने दौरे के दौरान राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आयोजित 'बस्तर पंडुम 2026' महोत्सव का उद्घाटन करेंगी। इस अवसर पर वे जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगी।

राष्ट्रपति महोत्सव स्थल पर बस्तर पंडुम के अंतर्गत लगाए गए विभिन्न प्रदर्शनी स्टॉलों का निरीक्षण करेंगी। वे बस्तर की पारंपरिक हस्तशिल्प, जनजातीय कलाओं, लोकवेशभूषा एवं स्थानीय उत्पादों का अवलोकन

करेंगी तथा कलाकारों और शिल्पकारों से संवाद करेंगी। इस दौरान विशिष्ट अतिथियों के साथ भेंट एवं समूह छायाचित्रण का भी कार्यक्रम प्रस्तावित है।

इसके पश्चात राष्ट्रपति मुख्य समारोह में भाग लेंगी, जहाँ छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आयोजित 'बस्तर पंडुम 2026' महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन किया जाएगा। समारोह की शुरुआत राष्ट्रगान से होगी तथा दीप प्रज्वलन के साथ महोत्सव का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम में संस्कृति मंत्री द्वारा स्वागत भाषण दिया जाएगा। समारोह के दौरान बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति पर आधारित पारंपरिक आदिवासी नृत्य, लोकगीत एवं पारंपरिक वाद्ययंत्रों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री तथा राज्यपाल संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगी।

वैनगंगा एक्सप्रेस में महिला ने दिया बच्चे को जन्म

रायपुर। हैदराबाद से छत्तीसगढ़ के चांपा की ओर यात्रा कर रही एक गर्भवती महिला चलती ट्रेन में बच्चे को जन्म दिया। वैनगंगा एक्सप्रेस के एस-2 कोच में सफर के दौरान महिला को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई। दुर्ग स्टेशन पार करने के बाद महिला की हालत तेजी से बिगड़ने लगी। टीटीई ईशांत शर्मा ने तुरंत वाणिज्य नियंत्रण कार्यालय रायपुर को इसकी सूचना दी। भिलाई स्टेशन पार करने के कुछ ही समय बाद महिला ने ट्रेन में ही बच्चे को जन्म दिया। इस दौरान कोच में मौजूद यात्रियों ने भी सहयोग करते हुए महिला की मदद की।

सर्राफा बाजार में गिरावट का दौर जारी; चांदी 16000 टूटी, सोना हुआ 3400 रुपए सस्ता

नईदिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। सोने 3400 रुपये तक सस्ता हो गया। वहीं चांदी में 16,000 रुपये तक की गिरावट देखने को मिली। कीमतों में अस्थिरता का दौर जारी है।

एमसीक्स पर सोने का भाव 3,415 रुपये गिरकर 1,38,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इसमें 2.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं चांदी 15,939 रुपये सस्ती होकर 2.49 लाख रुपये प्रति किलो पर आ गई। इसमें छह प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सोमवार की शुरुआती ट्रेडिंग में अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड करीब 4ल तक फिसला, जबकि चांदी में भी इसी के

आसपास गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, 12 प्रतिशत तक टूटने के बाद चांदी 80 डॉलर प्रति औंस के स्तर से ऊपर टिक गई। इससे पहले सत्र में चांदी ने अब तक की सबसे बड़ी इंट्राडे गिरावट दर्ज की थी, जो बीते 10 वर्षों की सबसे तेज गिरावट मानी जा रही है।

एक जेवर के बदले एक प्लेट मोमो, बच्चे ने ठेले वाले को दे दी 85 लाख की ज्वैलरी

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां मोमोज खाने की आदत ने एक नाबालिग बच्चे को ऐसी राह पर डाल दिया कि वह एक मोमोज विक्रेता के बहकावे में आकर अपने ही घर से धीरे-धीरे लाखों रुपये के गहने चुरा कर उसे देने लगा। जब इस बात का खुलासा परिवार के लोगों को हुआ तो सभी हैरान रह गए। मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई।

जानकारी के अनुसार, थाना रामपुर कारखाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाला 14 साल का बच्चा मोमोज खाने का आदी हो गया था। वह अक्सर घर से चुपचाप एक गहना निकालकर रामपुर कस्बे में ठेला लगाकर मोमोज बेचने वाले व्यक्ति को दे देता था और बदले में उससे मोमोज लेकर खाता था। यह मामला तब सामने आया जब बच्चे की बुआ अपने गहने लेने मायके पहुंची। अलमारी खोली गई तो गहने गायब मिले। परिजनों द्वारा पूछताछ करने पर बच्चे ने पूरी सच्चाई बता दी।

मणिपुर में सरकार गठन की तैयारी तेज हुई, दिल्ली में एनडीए की बैठक

■ 12 फरवरी को खत्म हो रहा राष्ट्रपति शासन

नई दिल्ली। मणिपुर में सरकार गठन को लेकर हलचल तेज हो गई है। भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने मणिपुर के सभी एनडीए विधायकों को दिल्ली बुलाया है। जानकारी के मुताबिक 2 फरवरी को सभी विधायकों को राजधानी दिल्ली में उपस्थित रहने के लिए कहा गया था। ऐसे में सभी विधायक 1 फरवरी को ही मणिपुर से दिल्ली के लिए रवाना हो गए थे।

मणिपुर भाजपा के 20 से अधिक विधायक, राज्य इकाई के अध्यक्ष सहित पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ बैठक में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली पहुंच गए हैं। इससे पहले मणिपुर भाजपा अध्यक्ष अधिराजमायुम शारदा देवी ने इंफाल हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, 'एनडीए के सभी विधायकों को बुलाया गया है। हमें उम्मीद और विश्वास है कि जनता की सरकार बनेगी।' बता दें हिंसा के कारण मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था।

बजट से यूपी को मिलेंगे 4.26 लाख करोड़

■ केंद्रीय राज्यांश में देश में सबसे ज्यादा राशि

लखनऊ। केंद्रीय बजट में उत्तर प्रदेश पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों ही रूप में कृपा बरसी है। मोदी सरकार के खजाने से योगी सरकार की तिजोरी में लगभग 4.26 लाख करोड़ रुपये आएंगे।

केन्द्रीय बजट से अलग-अलग मदों के रूप में राज्य सरकार को मिलने वाली ये धनराशि पिछले बजट की तुलना में 25 हजार करोड़ रुपये ज्यादा है। इसमें केंद्रीय करों में

हिस्सेदारी, कैपिटल असिस्टेंस, केंद्र प्रायोजित योजनाओं में हिस्सेदारी, सेंट्रल सेक्टर और वित्त आयोग के तहत मिलने वाली धनराशि शामिल है।

केंद्रीय करों में यूपी की हिस्सेदारी देश के सभी राज्यों की तुलना में सबसे ज्यादा है। 2.68 लाख करोड़ रुपये योगी सरकार को इसी मद में मिलेंगे। इससे प्रदेश सरकार को विकास कार्यों को तेज करने और जनकल्याण योजनाओं को विस्तार देने में बड़ा सहारा मिलेगा। इस धनराशि से उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, शहरी विकास और ग्रामीण योजनाओं को नई गति मिलेगी। खास तौर पर एक्सप्रेसवे, मेट्रो परियोजनाएं, औद्योगिक कॉरिडोर और स्मार्ट सिटी जैसी योजनाओं के लिए यह फंड अहम साबित होगा।

नायब तहसीलदार पर जानलेवा हमला, अवैध उत्खनन रोकने पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन को रोकने गए छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के एक नायब तहसीलदार पर रेत माफ्मिा के गुर्गों ने जानलेवा हमले की कोशिश की। ट्रैक्टर को रोकने की कोशिश कर रहे नायब तहसीलदार पर ड्राइवर ने ट्रैक्टर चढ़ा ही दिया था। ऐनवक्त पर अधिकारी ने अगर सुझबुझ से काम ना लिया होता तो अनहोनी घटना घट ही जाती।

घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है। ग्राम गढ़वट, सरवनदेवरी और खैरखुंडी क्षेत्र में लंबे समय से रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन जोरों पर चल रहा है। रविवार को नायब तहसीलदार राहुल साहू को अवैध रेत उत्खनन की सूचना मिली थी, जिसके बाद वे कार्रवाई करने ग्राम गढ़वट पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने रेत से भरे

एक ट्रैक्टर को रोका। ट्रैक्टर चालक खैरखंडी निवासी रितुराज सिंह ने कार्रवाई से बचने के लिए आधी रेत नदी में ही खाली कर दी और ट्रैक्टर लेकर मौके से भागने लगा। जब नायब तहसीलदार ने उसे रोकने का प्रयास किया तो चालक ने ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की। साहू ने फुर्ती दिखाते हुए कूदकर रोकने का प्रयास किया, तो चालक ने उन पर ट्रैक्टर खुद को बचाया। इसके बाद चालक ट्रैक्टर लेकर तेजी से बस्ती की ओर भाग गया। घटना के बाद नायब तहसीलदार ने रतनपुर थाने में शिकायत की। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 170 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की।

पुणे के पोर्श हादसा मामले में तीन आरोपियों को जमानत

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के चर्चित पुणे पोर्श कार हादसा मामले में तीन आरोपियों अमर संतोष गायकवाड़, आदित्य अविनाश सूद और आशीष सतीश मित्तलको जमानत दे दी है। इस हादसे में दो आईटी पेशेवरों की मौत हो गई थी। कोर्ट ने इस दौरान अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में माता-पिता की जिम्मेदारी भी तय होती है, क्योंकि वे अपने नाबालिग बच्चों पर सही नियंत्रण नहीं रख पा रहे हैं।

मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा, 'नशे की समस्या अलग बात है, लेकिन बच्चों को कार की चाबियां और खुला पैसा देना ताकि वे ऐश कर सकें, यह बिल्कुल अस्वीकार्य है।' इससे पहले दिसंबर 2024 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने अमर गायकवाड़ समेत आठ आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

संपादकीय

आत्मनिर्भरता हेतु विकास

बजट में युवा व चुनावी राज्यों का ध्यान

राजग सरकार द्वारा रविवार को पेश आम बजट कई मायनों में खास रहा। तमिलनाडु के लोगों की आकांक्षाओं की पर्याय कांजीवरम साड़ी पहने लगातार नौवीं बार बजट पेश करके निर्मला सीतारमण ने नारी शक्ति का परचम ही लहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने बजट की दशा-दिशा पर तीन शब्दों में संदेश दिया कि यह स्किल, स्केल और सस्टेनेबिलिटी का बजट है। वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह विकास व आत्मनिर्भरता के लिए बजट है। दूसरी ओर विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि इसमें आम आदमी के लिए कुछ खास नहीं है। आम आदमी की जिज्ञासा यही होती है कि क्या सस्ता होगा और किस पर उसकी जेब ढीली होगी। कहा जा रहा है कि माइक्रोवेव्स, सोलर पैनल, चमड़ा उत्पाद, 17 दवाइयां तथा सात दुर्लभ बीमारियों की दवाएं सस्ती होंगी। हर बार की तरह शराब, सिगरेट व तंबाकू प्रेमियों की जेब ढीली होगी। नये प्रावधानों में विदेशों में पढ़ रहे छात्रों को भेजे जाने वाले पैसे पर टीसीएस कम होगा। विदेश यात्रा पैकेज पर भी छूट दी गई है। आने वाले महीनों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे, उनका भी बजट में खास ख्याल रखा गया है। दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक व अन्य उत्पादों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दुर्लभ रेयर अर्थ पर ध्यान केंद्रित कर रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने का लक्ष्य रखा गया, जिसमें तमिलनाडु-केरल का खास ध्यान रखा गया। आसन्न चुनाव वाले इन राज्यों के मछुआरों व नारियल उत्पादकों को प्रोत्साहन व छूट दी गई है। हालांकि, एसटीटी बढ़ाने के मुद्दे पर शेयर बाजार को बजट रास नहीं आया।

> “ हर बार की तरह शराब, सिगरेट व तंबाकू प्रेमियों की जेब ढीली होगी। नये प्रावधानों में विदेशों में पढ़ रहे छात्रों को भेजे जाने वाले पैसे पर टीसीएस कम होगा। विदेश यात्रा पैकेज पर भी छूट दी गई है। आने वाले महीनों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे, उनका भी बजट में खास ख्याल रखा गया है। दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक व अन्य उत्पादों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दुर्लभ रेयर अर्थ पर ध्यान केंद्रित कर रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने का लक्ष्य रखा गया, जिसमें तमिलनाडु-केरल का खास ध्यान रखा गया। आसन्न चुनाव वाले इन राज्यों के मछुआरों व नारियल उत्पादकों को प्रोत्साहन व छूट दी गई है। हालांकि, एसटीटी बढ़ाने के मुद्दे पर शेयर बाजार को बजट रास नहीं आया। वहीं दूसरी ओर इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए इस उद्योग में चालीस हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। वहीं सस्ती दवाओं के लिए 'बॉयोफार्मा शक्ति योजना' के लिए दस हजार करोड़ रुपये का प्रावधान होगा, जिससे देश में मधुमेह व कैंसर की सस्ती दवाइयां उपलब्ध हो सकेंगी।

वहीं दूसरी ओर इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए इस उद्योग में चालीस हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। वहीं सस्ती दवाओं के लिए 'बॉयोफार्मा शक्ति योजना' के लिए दस हजार करोड़ रुपये का प्रावधान होगा, जिससे देश में मधुमेह व कैंसर की सस्ती दवाइयां उपलब्ध हो सकेंगी। दूसरी ओर आसन्न चुनाव वाले राज्यों पश्चिम बंगाल, असम व तमिलनाडु को हाई-स्पीड ट्रेन कॉरिडोर का लाभ देने का प्रस्ताव है। वहीं असम को बौद्ध सर्किट का लाभ दिया गया है। यह योजना बौद्ध तीर्थों के विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा यहां तक कि तीर्थयात्रियों की पहुंच आसान बनाने की कोशिश है। वहीं दूसरी ओर डिजिटल मनोरंजन क्रांति हेतु रचनात्मक बढ़ाने वाली 'ऑरेंज इकॉनोमी' को भी प्राथमिकता बनाया गया है ताकि इस क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि की जा सके। हर बार नौकरी पेशा वर्ग की आस होती है कि इनकम टैक्स में छूट मिले। लेकिन इस बार किसी स्लैब में परिवर्तन नहीं हुआ। हां, अप्रैल 26 तक नया आयकर कानून लागू करने की बात बजट में कही गई है, जिसमें आयकर रिटर्न की फाइलिंग से जुड़ी समय सीमा और नियमों में बदलाव होगा। निश्चित रूप से दुनिया आपूर्ति श्रृंखला में जारी वैश्विक उथल-पुथल और टैरिफ युद्ध के बीच राजग सरकार ने आम बजट में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी है। साथ ही आजादी के सौ साल पूरे होने पर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की दिशा में भी कदम बढ़ाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्कूलों में छात्राओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने और मासिक धर्म स्वच्छता को अनिवार्य करने संबंधी निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय समाज की उस सामूहिक सोच को आईना दिखाते हैं, जिसमें आज भी मासिक धर्म को संकोच, चुप्पी और उपेक्षा के साथ देखा जाता है। यह फैसला स्पष्ट करता है कि मासिक धर्म महज़ स्वास्थ्य या स्वच्छता का मुद्दा नहीं, बल्कि गरिमा, समानता और शिक्षा के अधिकार से जुड़ा एक गंभीर संवैधानिक प्रश्न है।

मासिक धर्म और सैनिटरी पैड स्कूलों में गरिमा की परीक्षा

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत जैसे देश में, जहाँ संविधान समानता और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार सुनिश्चित करता है, वहाँ लाखों छात्राओं का मासिक धर्म के दौरान असुरक्षित और अपमानजनक परिस्थितियों में पढ़ाई करने को मजबूर होना व्यवस्था की गहरी विफलता को उजागर करता है। अदालत का यह हस्तक्षेप इसी विफलता को दूर करने की दिशा में एक आवश्यक कदम है। यह याद दिलाता है कि अधिकार केवल कागज़ों में दर्ज घोषणाएँ नहीं होते, बल्कि उनका वास्तविक अर्थ तभी है, जब वे ज़मीनी हकीकत में दिखाई दें।

मासिक धर्म को लंबे समय तक केवल एक जैविक प्रक्रिया मानकर नजरअंदाज़ किया जाता रहा है। परिणामस्वरूप यह विषय स्वास्थ्य मंत्रालय या स्कूल प्रबंधन की सीमित जिम्मेदारी बनकर रह गया। सच्चाई यह है कि मासिक धर्म सामाजिक, शैक्षिक और मानसिक स्तर पर गहरे प्रभाव डालता है। स्वच्छता सुविधाओं और सही जानकारी के अभाव में छात्राओं को न केवल संक्रमण और बीमारियों का खतरा रहता है, बल्कि शर्म और भय के कारण वे नियमित रूप से स्कूल आने से भी कतराने लगती हैं। कई मामलों में यह स्थिति स्थायी स्कूल ड्रॉपआउट का कारण बन जाती है।

अनेक अध्ययन यह दर्शाते हैं कि मासिक धर्म के दौरान उचित प्रबंधन की कमी के कारण बड़ी संख्या में किशोरियाँ हर महीने कई दिनों तक स्कूल नहीं जातीं। यह अनुपस्थिति धीरे-धीरे सीखने की प्रक्रिया को कमजोर करती है और अंततः शिक्षा से पूरी तरह कट जाने का जोखिम बढ़ा देती है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में सबके लिए शिक्षा के लक्ष्य के प्रति ईमानदार हैं, या यह केवल नीतिगत दस्तावेज़ों तक सीमित नारा बनकर रह गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में इस तथ्य को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है कि मासिक धर्म स्वच्छता की अनदेखी सीधे तौर पर शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। जब स्कूलों में अलग और स्वच्छ शौचालय, साफ़ पानी, साबुन और सैनिटरी पैड जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध नहीं होतीं, तो छात्राओं के लिए नियमित रूप से विद्यालय जाना व्यावहारिक रूप से कठिन हो जाता है। यह स्थिति लैंगिक असमानता को और गहरा करती है, क्योंकि जहाँ लड़कों की शिक्षा बिना किसी जैविक बाधा के चलती रहती है, वहीं लड़कियों को एक प्राकृतिक प्रक्रिया के कारण पीछे धकेल दिया जाता है।

यह असमानता संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 की भावना के विरुद्ध है, जो समानता और भेदभाव-रहित समाज की अवधारणा को आधार प्रदान करते हैं। केवल अवसर की समानता पर्याप्त नहीं होती, जब तक उस अवसर तक पहुँचने के साधन भी समान न हों। मासिक धर्म स्वच्छता की अनदेखी करके हम अनजाने में ही लड़कियों को उस बराबरी से वंचित कर देते हैं, जिसका वादा संविधान करता है। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि मासिक धर्म से जुड़ी सुविधाओं का अभाव महिलाओं और किशोरियों के गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार का उल्लंघन है। जब किसी छात्रा को असुरक्षित और अवैज्ञानिक साधनों का उपयोग करने को मजबूर होना पड़े, तो यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा पर सीधा आघात है। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन को केवल शारीरिक अस्तित्व तक सीमित नहीं करता, बल्कि आत्मसम्मान और सुरक्षा के साथ जीवन जीने का अधिकार भी सुनिश्चित करता है।

यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उस धारणा को तोड़ता है कि सैनिटरी पैड या स्वच्छ शौचालय कोई अतिरिक्त सुविधा हैं। वास्तव में ये आवश्यक अधिकार हैं, जिनके बिना न तो स्वास्थ्य सुरक्षित रह सकता है और न ही शिक्षा का अधिकार सार्थक हो सकता है। इस दृष्टि से अदालत का यह आदेश एक सामाजिक चेतावनी के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

हालाँकि भारत में न्यायिक आदेशों की सबसे बड़ी चुनौती उनके प्रभावी क्रियान्वयन में दिखाई देती है। कई बार नीतियाँ और दिशा-निर्देश घोषणाओं और फाइलों तक सीमित रह जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं इस आशंका को ध्यान में रखते हुए कहा है कि यह निर्णय केवल अदालती आदेश या कानूनी पुस्तकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका वास्तविक असर स्कूलों और छात्राओं के जीवन में दिखाई देना चाहिए। सरकारी और निजी, शहरी और ग्रामीण—सभी स्कूलों में इन निर्देशों को समान रूप से लागू करना अनिवार्य है।

इस संदर्भ में निजी स्कूलों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। अक्सर निजी शिक्षण संस्थान स्वयं को सरकारी योजनाओं और सामाजिक उत्तरदायित्व से अलग मान लेते हैं। अदालत का आदेश इस सोच को स्पष्ट रूप से खारिज करता है और बताता है कि बच्चों के अधिकार के मामले में सरकारी और निजी का भेद स्वीकार्य नहीं हो सकता। यदि निजी स्कूल उच्च शुल्क वसूल सकते हैं, तो वे छात्राओं की बुनियादी स्वच्छता और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी से बच नहीं सकते।

फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि केवल आदेश और नीतियाँ पर्याप्त नहीं हैं। जब तक समाज की सोच में बदलाव नहीं आता, तब तक ऐसी पहल अधूरी ही रहेंगी। मासिक धर्म को लेकर फैली चुप्पी, अंधविश्वास और शर्म की भावना इस समस्या को और जटिल बनाती है। स्कूलों में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन केवल पैड वितरण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि जागरूकता, संवाद और वैज्ञानिक जानकारी को भी शिक्षा प्रक्रिया का हिस्सा बनाना चाहिए। लड़कों को भी इस चर्चा से अलग नहीं रखा जाना चाहिए, क्योंकि संवेदनशील और समान समाज की नींव तभी पड़ती है, जब समझ साझा होती है।

केंद्र और राज्य सरकारों के लिए यह आदेश केवल अनुपालन की बाध्यता नहीं, बल्कि सुधार का अवसर है। पर्याप्त बजट आवंटन, प्रभावी निगरानी तंत्र और स्पष्ट जवाबदेही तय किए बिना यह पहल सफल नहीं हो सकती। अदालत द्वारा निर्धारित समय-सीमा यह स्पष्ट संकेत देती है कि इस मुद्दे को अब और टाला नहीं जा सकता।

अंततः यह फैसला हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन उसके सबसे कमजोर वर्ग के साथ किए गए व्यवहार से होता है। छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक सुविधाएँ देना कोई उपकार नहीं, बल्कि एक संवैधानिक दायित्व है। अब असली परीक्षा यह है कि यह निर्णय कागज़ों से निकलकर ज़मीन पर उतरता है या नहीं। यदि ऐसा होता है, तो यह न केवल स्कूलों की तस्वीर बदलेगा, बल्कि उस सोच को भी बदलने की दिशा में निर्णायक कदम होगा, जो अब तक मासिक धर्म को अधिकार नहीं, बल्कि बोझ समझती आई है।

समाज की व्यापक भलाई के लिए एआई का अधिकतम इस्तेमाल करें

एन. रघुरामन

पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में मदारीहाट-नागराकाटा सेक्शन के बीच करीब 52 किलोमीटर में फैली एक जगह है बिन्नागुड़ी। यह इलाका हाथियों की सघन आबादी के लिए जाना जाता है, जो चपरामारी और गोरुमारा के जंगलों के बीच घूमते हैं और अकसर सीजनल मूवमेंट और चाय बागानों तक जाने के लिए रेलवे ट्रैक पार करते हैं। यह इकलौता ऐसा इलाका नहीं, बल्कि पूर्वी भारत में ऐसी कई जगहें हैं।

असम के होजाई जिले में 20 दिसंबर 2025 को सरांग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस से टकराकर आठ हाथियों की मौत हो गई और इसी के साथ रेलवे ट्रैकों पर मारे गए हाथियों की संख्या 90 तक पहुंच गई। लोको पायलटों को इस बारे में पता है और वे ट्रेनों की गति 50 किमी प्रति घंटा ही रखते हैं, लेकिन यह हादसे रोकने के लिए पर्याप्त नहीं।

अब एआई की मदद से एक नई पहल ऐसे हादसे रोक सकती है। जिन चार रेलवे कॉरिडोरों में डिटेक्शन सिस्टम शुरू हुआ है, उनमें बजर के जरिए स्टेशन सुपरिंटेंडेंट को अलर्ट किया जाता है। वह तत्काल लोको पायलट को गति 25 किमी प्रति घंटा करने लिए सावचेत करता है। इतनी कम गति पर ट्रेन को कहीं जल्दी रोका जा सकता है। एआई महज हादसों से ही नहीं बचा रहा, बल्कि मानव और अन्य प्राणियों के जीवन की गुणवत्ता भी बेहतर कर रहा है। कुछ उदाहरण यहां पेश हैं।

डायबिटीज स्क्रीनिंग बेहतर करने में एआई ने मदद की है। येनेपोया (डीम्ड-टू-बी) यूनिवर्सिटी, चेन्नई के मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन और अटलांटा की एमोरी यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक एआई आधारित तरीका विकसित किया है। इसमें डायबिटीज से जुड़े रक्तवाहिकाओं के बदलाव को जानने के लिए रेटीना की हाई रेजोल्यूशन इमेजेज इस्तेमाल होती हैं। इसमें उंगली से खून लेने का झंझट नहीं होता और एक्यूरेसी भी अधिक होती है।

'डायबिटीज टेक्नोलॉजी एंड थेरैप्युटिक्स' में प्रकाशित इस शोध के नतीजे रेटीना की उस अनोखी क्षमता पर आधारित है, जिसके जरिए नॉन-इन्वेसिव तरीके से जिंदा रक्तवाहिकाओं को देखा जा सकता है। भारत में 10 करोड़ से ज्यादा लोगों को डायबिटीज है और हमें नहीं पता कि इनमें से कितने शुगर लेवल जांचने के लिए रोज खुद को सुई चुभोते हैं। एआई आधारित ऐसे आविष्कार यकीनन इस आबादी का जीवन बेहतर कर सकते हैं।

ट्रैफिक प्रबंधन का एक और उदाहरण देखिए। बढ़ते वाहनों और लगातार जारी हो रहे ड्राइविंग लाइसेंसों के कारण इस क्षेत्र के हालात बदतर होते जा रहे हैं। इस पर लगाम कसने और नए ड्राइवरों में यातायात संकेतकों और नियमों के प्रति जागरूकता परखने के लिए आईआईटी मद्रास के सेंटर फॉर एक्सीलेंस ऑन रोड सेफ्टी (सीओईआरएस) ने एआई आधारित लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम बनाया है।

'थिन्नएआई' नामक इस सिस्टम में वीडियो गेम जैसे मॉड्यूल के जरिए कई स्तरों के टेस्ट होंगे। यह अभी मूल्यांकन के चरण में है। मंजूरी मिलते ही इसे लर्नर लाइसेंस जारी करने में इस्तेमाल किया जा सकता है। एआई एक स्पेशलाइज्ड टूल से आगे बढ़ कर इंसानों के लिए बुनियादी ढांचे जैसा बन रहा है। विविध क्षेत्रों की जटिल समस्याओं के समाधान दे रहा है।

उम्मीद है कि 2026 के अंत तक एआई दिखावटी और नई-नई एप्लिकेशनों के बजाय रोजमर्रा की जिंदगी और उद्योगों में अधिक गहराई से जुड़ी, संरचनात्मक और 'साइलेंट' तकनीक बन जाएगा। हैल्थकेयर में इसके एल्गोरिदम मेडिकल स्कैन और डेटा का विश्लेषण इंसानी विशेषज्ञों से ज्यादा सटीक कर सकते हैं। इससे डायग्नोस्टिक तेज होता है। यह नई दवाओं की खोज तेज कर सकता है।

बढ़ते न्यूक्लियर परिवारों और रिश्तेदारों की कमी के दौर में एआई आधारित टेलीमेडिसिन, चैटबॉट और वियरेबल तकनीक दूरस्थ इलाकों में मरीजों को एक्सपर्ट केयर से जोड़ रहे हैं। कृषि, खाद्य सुरक्षा, फसल प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन से निपटने और टिकाऊ विकास भी ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें एआई इंसानी जीवन बेहतर कर सकता है।

फंडा यह है कि 2026 में समाज की व्यापक भलाई के लिए हम इंसानों को एआई का अधिकतम इस्तेमाल करना चाहिए।

जी राम जी : लचीली व सतत् आजीविकाओं की दिशा में भारत की यात्रा

डॉ. विभा धवन

पिछले लगभग दो दशकों से ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम भारत की सामाजिक सुरक्षा संरचना का केंद्रीय स्तंभ रहे हैं। वर्ष 2005 में अधिनियमित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) ने ग्रामीण परिवारों को आय सुरक्षा प्रदान की है, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी का विस्तार किया है तथा आवश्यक सामुदायिक परिसंपत्तियों के सृजन में योगदान दिया है। जैसे-जैसे ग्रामीण भारत तीव्र आर्थिक, प्रौद्योगिक और पर्यावरणीय परिवर्तनों से गुजर रहा है, उभरती चुनौतियों और अवसरों का प्रभावी ढंग से उत्तर देने के लिए इस ढांचे को और अधिक सुदृढ़ करने की तात्कालिक आवश्यकता है।

विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम, 2025 इस क्रमिक विकास को प्रतिबिंबित करता है। ग्रामीण रोजगार गारंटी ढांचे में सुधार के माध्यम से यह अधिनियम इस तथ्य को मान्यता देता है कि सतत् ग्रामीण समृद्धि केवल रोजगार सृजन पर ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जलवायु जोखिमों के प्रति लचीलेपन तथा आजीविकाओं के संरक्षण पर भी आधारित होनी चाहिए। यह समेकित दृष्टिकोण ऐसे समय में अत्यंत प्रासंगिक है, जब ग्रामीण समुदाय जलवायु परिवर्तनशीलता, चरम मौसमीय घटनाओं और संसाधन दबाव के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता का सामना कर रहे हैं।

जी राम जी अधिनियम क्यों विशिष्ट है

जी राम जी अधिनियम की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें मजदूरी आधारित रोजगार को चार प्राथमिक क्षेत्रों के साथ संरेखित करने पर विशेष बल दिया गया है—जल सुरक्षा, मूल ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका से संबंधित अवसंरचना तथा चरम मौसमीय घटनाओं के शमन से जुड़े कार्य। रोजगार नीति के पर्यावरणीय और लचीलापन संबंधी आयामों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जल से संबंधित कार्य, मृदा एवं भूमि संरक्षण, जल निकासी प्रणालियाँ तथा जलवायु-अनुकूल अवसंरचना कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के साथ-साथ बाढ़, सूखा और भूमि क्षरण के प्रति संवेदनशीलता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब ऐसी परिसंपत्तियां प्रभावी ढंग से नियोजित तथा कार्यान्वित की जाती हैं, तो वे कई लाभ उत्पन्न करती हैं—अल्पकालिक रोजगार सृजन, प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर प्रबंधन तथा दीर्घकालिक आजीविका सुरक्षा। रोजगार कार्यक्रम एक साथ सामाजिक संरक्षण और जलवायु अनुकूलन के प्रभावी साधन के रूप में कार्य कर सकते हैं।

स्थानीय स्तर पर लचीलापन

अधिनियम की नियोजन पारिस्थितिकी—जिसका केंद्र विकसित ग्राम पंचायत योजनाएँ हैं तथा जिसमें परिसंपत्तियों को विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक के अंतर्गत एकीकृत किया गया है—ग्रामीण विकास के लिए एक सुसंगत और भविष्य के लिए तैयार दृष्टिकोण को समर्थन प्रदान करती है। विकेन्द्रीकृत नियोजन के माध्यम से पंचायतों को स्थानीय प्राथमिकताओं की पहचान करने का अवसर मिलता है, जबकि राष्ट्रीय प्लेटफार्मों के साथ एकीकरण व्यापक अवसंरचना एवं विकास उद्देश्यों के साथ समन्वय सुनिश्चित करता है।

कार्यान्वयन के दृष्टिकोण से यह ढांचा रोजगार गारंटी के अंतर्गत सृजित परिसंपत्तियों की गुणवत्ता, स्थायित्व और प्रासंगिकता में सुधार का अवसर प्रदान करता है। पर्याप्त तकनीकी सहयोग और क्षमता निर्माण के माध्यम से पंचायती राज संस्थान यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं कि सार्वजनिक कार्य, संसाधन संरक्षण तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण में सार्थक योगदान दें। अधिनियम के अंतर्गत परिकल्पित पारदर्शिता तंत्र, डिजिटल निगरानी उपकरण और सामाजिक अंकेक्षण जवाबदेही को और सुदृढ़ करते हैं तथा सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करते हैं।

सामाजिक संरक्षण और लचीलेपन पर ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टेरी)

सतत् विकास के प्रति वचनबद्ध एक शोध संस्थान के रूप में, टेरी ने यह समझने के लिए व्यापक रूप से कार्य किया है कि ग्रामीण समुदायों में लचीलापन विकसित करने के लिए सामाजिक संरक्षण तंत्रों को किस प्रकार सुदृढ़ किया जा सकता है। हमारे शोध से यह स्पष्ट हुआ है कि जब रोजगार कार्यक्रमों को पर्यावरणीय योजना और जोखिम-सूचित रूपरेखा के साथ जोड़ा जाता है, तो वे घरेलू तथा सामुदायिक—दोनों स्तरों पर अनुकूलन क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ा सकते हैं।

टेरी ने जलवायु लचीलापन, पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्स्थापन तथा आजीविका की निरन्तरता को सम्मिलित करने हेतु नीतिगत ढांचों के पुनरोद्धार और सुदृढ़ीकरण से संबंधित सरकारी प्रक्रियाओं में विश्लेषणात्मक योगदान प्रदान किया है। इसमें कार्यक्रम अभिकल्पना में लचीलापन संबंधी पहलुओं के एकीकरण को समर्थन देना तथा रोजगार सृजन के साथ-साथ दीर्घकालिक पर्यावरणीय और सामाजिक परिणामों को प्रतिबिंबित करने वाले संकेतकों की पहचान करना शामिल है।

आजीविकाओं का संरक्षण

जी राम जी अधिनियम का दृष्टिकोण ग्रामीण आजीविकाओं को बनाए रखने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व को प्रमुखता देता है। जल सुरक्षा, कनेक्टिविटी, भंडारण और जलवायु-सहनशील अवसंरचना में निवेश प्रत्यक्ष रूप से कृषि, सहायक गतिविधियों और गैर-कृषि आजीविकाओं का समर्थन करता है। साथ ही, अधिनियम में शामिल प्रावधान, जैसे कि प्रमुख कृषि सीज़न के दौरान सार्वजनिक कार्यों में राज्य-निर्धारित विराम, यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि रोजगार सृजन कृषि गतिविधियों के पूरक के रूप में बना रहे। एक कानूनी रोजगार गारंटी की निरंतरता, साथ ही जहाँ कार्य प्रदान नहीं किया जाता वहां बेरोजगारी भत्ता देने के प्रावधान, अधिनियम के सामाजिक संरक्षण उद्देश्यों को और मजबूत करते हैं। पूर्वानुमेय नियोजन और वित्तपोषण के साथ, प्रशासनिक क्षमता के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से, कार्यक्रम की प्रभावशीलता और प्रतिक्रिया देने की क्षमता को और बढ़ाया जा सकता है।

'विकसित भारत 2047' की ओर

जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 के विज़न की ओर बढ़ रहा है, ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम समावेशी विकास प्रदान करने में एक बड़ी रणनीतिक भूमिका निभाएंगे। उनकी सफलता का मूल्यांकन केवल सृजित कार्यदिवसों की संख्या से नहीं, बल्कि लचीली आजीविकाओं, स्थायी अवसंरचना और महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में उनके योगदान से किया जाएगा।

इस संदर्भ में, विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम, 2025 इन परिणामों को प्राप्त करने के लिए एक मजबूत नीतिगत ढांचा प्रस्तुत करता है। पर्यावरणीय प्राथमिकताओं को सम्मिलित करके, जलवायु जोखिमों के प्रति लचीलापन बढ़ाकर और विकेन्द्रीकृत नियोजन को मजबूत करके यह अधिनियम ग्रामीण रोजगार को सतत् विकास की आधारशिला के रूप में स्थापित करता है। सरकार, शोध संस्थानों, राज्यों और स्थानीय समुदायों के बीच निरंतर सहयोग के माध्यम से यह सुधार यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है कि ग्रामीण रोजगार वर्तमान आवश्यकताओं के साथ-साथ भविष्य हेतु लचीलेपन में भी सार्थक योगदान दे—आज आजीविकाओं का समर्थन करते हुए कल की समृद्धि के लिए आवश्यक संसाधनों की रक्षा करना।

(लेखिका: महानिदेशक, ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टेरी)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

आईसीएआई भिलाई को देश में दूसरा स्थान, सिकासा में प्रथम

भिलाई। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) की भिलाई शाखा को देशभर की शाखाओं में अपनी श्रेणी में दूसरा सर्वश्रेष्ठ शाखा का पुरस्कार मिला है। साथ ही भिलाई शाखा की छात्र इकाई सीआईसीएएसए (सिकासा) को भी देश में सर्वश्रेष्ठ सिकासा का इनाम मिला है। यह सम्मान शाखा की ओर से सालभर किए गए विविध व्यावसायिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों के बेहतर प्रदर्शन के लिए मिला है। यह पुरस्कार आईसीएआई के वार्षिक समारोह में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के हाथों ग्रेटर नोएडा में 1 फरवरी को हुए कार्यक्रम में दिया गया। पुरस्कार ग्रहण करने के लिए शाखा के चेयरमैन राजेश बाफना, सचिव प्रभजीत जग्गी के नेतृत्व में दल नई दिल्ली रवाना हुआ।

ग्रीन इंजीनियरिंग को अमल में लाने आईई प्रोफेशनल्स जरूरी

भिलाई। इंडियन इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग के 69वां स्थापना दिवस पर भिलाई चेप्टर के तत्वावधान में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सस्टेनेबिलिटी और ग्रीन इंजीनियरिंग में इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग प्रोफेशनल्स पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि बीएसपी के पूर्व सीईओ विनोद कुमार अरोरा ने कहा कि सस्टेनेबिलिटी और ग्रीन इंजीनियरिंग को अमल में लाने इंडस्ट्रियल इंजीनियर्स की भूमिका महत्वपूर्ण है। आईआई आईई भिलाई चेप्टर की सक्रियता एवं रचनात्मक प्रशंसनीय है। आधार वक्तव्य वाइस चेयरमैन घनश्याम कुमार देवांगन ने दिया।

नित्यानंद त्रयोदशी पर भगवान के विग्रहों का हुआ महाभिषेक

भिलाई। अक्षय पात्र प्रांगण में स्थित हरे कृष्ण मूवमेंट द्वारा नित्यानंद त्रयोदशी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगवान के विग्रहों का अभिषेक किया गया। अभिषेक के अंतर्गत विग्रहों को इत्र एवं अन्य सुगंधित द्रव्यों से स्नान कराया गया, जिसके बाद चंदन का लेप लगाया गया।

हथखोज और देव बलोदा को टीबी मुक्त करने चलाया गया जन जागरूकता अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई-तीन नगर निगम चरोदा के अंतर्गत को टी बी मुक्त बनाने अभियान चलाया गया। जिसमें जनसमुदाय को क्षय रोग के प्रति जागरुक किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज दानी खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुवनेश्वर कुमार कठौतिया, मेडिकल ऑफिसर डॉ शिखर अग्रवाल, मेडिकल ऑफिसर डॉ कीर्ति तिर्की, शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम बीईटीओ सैय्यद असलम उपस्थित रहे।

बीईटीओ असलम ने बताया कि रोग के लक्षण उपचार ओर निदान और उन्मूलन करने प्रयास जारी है। कालेजों में प्रतियोगिता, आरोग्य समिति जन भागीदारी के साथ चर्चा, समाजसेवी ओर सामाजिक कार्यकर्ता और चेंबर व्यापारी और पंच सरपंच पंचायत सदस्यों और वार्ड पार्षदों से संगोष्ठी आयोजित कर सामूहिक प्रयास किया जा रहा है।

इसी कड़ी में हथखोज ओर देव बलौदा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां मेडिकल ऑफिसर डॉ शिखर अग्रवाल ने लक्षणों और उपचार के बारे में जनसमुदाय को बताया। सैय्यद असलम ने खानपान, निक्षय मित्र योजना, शासन प्रोत्साहन राशि और फूड बास्केट की जानकारी दी। वहीं टीबीएचव्ही राहुल यादव ने स्पुटम जांच,एक्स रे जांच ओर रनर के माध्यम से भेजने की जानकारी साझा करते हुए लक्षण वालों जांच कराने समझाइश दी।

महिला स्वास्थ्य विजिटर आर विश्वास ने बताया नियमित ओर पूर्ण दवा सेवन से टीबी ठीक हो जाता है। टीबी की दवाएं शासन द्वारा सभी सरकारी अस्पतालों में नि:शुल्क उपलब्ध है। मरीज के पूरी द्वारा दवा सेवन करने पर उसके खाते 3000 रुपए में प्रोत्साहन राशि दी जाती है। कार्यक्रम में स्कूल छात्र छात्राओं को उनके द्वारा टी बी संबंधित प्रश्नोत्तर के सही जवाब देने पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

महाशिवरात्रि पर अपने अवगुण, कमी और कमजोरियों का करें भोलेनाथ को अर्पण

ब्रह्माकुमारी संस्था के 90वें वर्ष में प्रवेश, महाशिवरात्रि परिवर्तन मास का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। अंतर्राष्ट्रीय संस्था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के 90वें वर्ष में प्रवेश होने के उपलक्ष में सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में वसंत ऋतु के आगमन पर महाशिवरात्रि पर्व (शिव जयंती उत्सव) का शुभारंभ किया गया।

भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने कहा कि यह समय विश्व परिवर्तन, स्वयं के परिवर्तन और संस्कारों के परिवर्तन का समय है। पुरानी दुनियां बदल कर नई दुनियां का आगमन इस सृष्टि पर होगा यह परिवर्तन का समय है, हमारी जिम्मेवारी है कि हमें नई दैवीय दुनियां के लिए हमारे संस्कारों को भी सतोंप्रधान दैवीय बनाना है नई दुनियां अर्थात संपूर्ण पावन जहां एक राज्य एक धर्म एक भाषा थी।

आपने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व तक सभी अपने कमी कमजोरी को आत्म चिंतन द्वारा भोलेनाथ शिव पर अर्पित करेंगे। महत्व समय पर परिवर्तन का है।

आपने बताया कि दूसरों को बदलने की अवगुण देखने की वृति को चेंज करो, देखना है तो विशेषताएं देखो। सोचा और किया करेंगे देखेंगे नहीं।

आपने तीन श्रेष्ठ आसन (तख्त) के बारे में बताया कि पहला भृकुटी के मध्य आत्मा मालिक का तख्त, दूसरा शिव परमात्मा (भोलेनाथ)का दिल तख्त, तीसरा नई सृष्टि के राज्य अधिकारी का तख्त अर्थात मैं आत्मा भृकुटी के मध्य में निवास सर्व शक्तिवान परमात्मा की संतान इन शरीर रूपी कर्मेंद्रियों द्वारा कार्य कराकर परमात्मा के दिल तख्त पर विराजमान भविष्य नई दैवीय दुनियां की सर्व गुण संपन्न राज्य अधिकारी आत्मा हूं।

हमें हमारे श्रेष्ठ दैवीय संस्कारों से नई दुनियां की स्थापना करनी है, धर्म अर्थात धारणा।

ब्रह्माकुमारी दीदीयों ने 90 वर्ष के उपलक्ष्य में दीपक जलाकर शिव ध्वज फहराकर महाशिवरात्रि परिवर्तन मास की शुरुआत की।

सभी ब्रह्मा वत्स मेरा उपहार शिव परमात्मा को अपने परिवर्तन का स्व उन्नति का चार्ट भरकर अपनी कमी कमजोरियों को महाशिवरात्रि के दिन परमात्मा शिव भोलेनाथ को अर्पण करेंगे।

इस अवसर पर फूलों से विशाल ज्योतिर्लिंग की रंगोली बनाई गई। पीस ऑडिटोरियम और परिसर को शिव ध्वजों से सुंदर सजाया गया।

उम्रभर परेशान कर सकता है सड़क हादसे का ऐसा जख्म : डॉ दीपक

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। जनवरी से नवम्बर 2025 के बीच लगभग 25 हजार लोगों की सड़क हादसों में मौत हो गई। इससे दोगुनी से भी अधिक संख्या में लोग घायल हो गए। सड़क हादसों में हड्डियों का टूटना या चटखना आम बात है। पर ये चोटें तब और गंभीर हो जाती हैं जब वहां की मांसपेशियां भी जख्मी हो जाती हैं और त्वचा फट जाती है। इससे हड्डियों के संक्रमित होने का खतरा बढ़ जाता है जो कभी कभी उम्र भर परेशान करते हैं।

हाइटेक सुपरस्पेशालिटी हॉस्पिटल के अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ दीपक कुमार सिन्हा बताते हैं कि हड्डियों के संक्रमित होने के कारण जख्म को कई-कई बार खोलना पड़ जाता है। इसलिए बड़े अस्पतालों में पूरी कोशिश होती है कि पहले जख्म का इलाज किया जाए। इसके लिए घाव की अच्छे से सफाई करनी होती है।

हड्डियों की सर्जरी यदि बहुत जरूरी न हो तो मरीज को पहले दो तीन दिन एन्टीबायोटिक पर रखा जाता है। इससे शरीर में पनपने वाले दूसरे संक्रमण काबू में आ जाते हैं। इसके बाद की गई सर्जरी कहीं ज्यादा सेफ होती है। इसमें संक्रमण का खतरा बहुत कम हो जाता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में एक सरदार जी दुर्घटनाग्रस्त होकर पहुंचे। उनके घुटने, कलाई और कूल्हे में चोटें थीं। कलाई की चोट खुली हुई थी। इसलिए पूरा सावधानी से पहले उसकी सफाई की गई। सर्जरी के बाद उन्हें किसी भी प्रकार का संक्रमण नहीं हुआ और न ही कभी बुखार आया।

वैश्वीकरण एवं पर्यावरणीय संकट पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

श्रीकंचनपथ समाचार

कुम्हारी। छत्तीसगढ़ समाज शास्त्रीय परिषद तथा स्वर्गीय बिंदेश्वरी बघेल शासकीय महाविद्यालय कुम्हारी के संयुक्त तत्वावधान में वैश्वीकरण एवं उभरता पर्यावरणीय संकट : नागरिक समाज की भूमिका विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 30 एवं 31 जनवरी को बरडिया भवन में संपन्न हुई।

प्राचार्य एवं संगोष्ठी की संरक्षक डॉ. सोनिता सत्संगी ने अपने स्वागत उद्बोधन में समाजशास्त्र और पर्यावरण संरक्षण के अंतर्संबंधों पर प्रकाश डालते हुए स्वर्गीय प्रो. जीपी शर्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

संगोष्ठी के अध्यक्षीय उद्बोधन में छत्तीसगढ़ समाजशास्त्रीय परिषद की अध्यक्ष प्रो. प्रीति शर्मा ने समाज एवं पर्यावरण के गहन अंतर्संबंधों को रेखांकित करते हुए कहा कि वैश्वीकरण के वर्तमान दौर में नागरिक समाज की भूमिका और भी अधिक उत्तरदायित्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सामाजिक चेतना, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के बिना पर्यावरण संरक्षण की कल्पना अधूरी है।

परिषद के सचिव डॉ. एलएस गजपाल ने वैश्वीकरण से उत्पन्न पर्यावरणीय चुनौतियों की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए सामाजिक हस्तक्षेप की आवश्यकता पर बल दिया। विशेष व्याख्यान सत्र में प्रो. मनीष के. वर्मा, सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो. एम. नायक तथा मुख्य वक्ता डॉ. के. सुब्रमण्यम ने आधुनिक जीवनशैली, औद्योगिक गतिविधियों एवं उनसे उत्पन्न पर्यावरणीय असंतुलन पर गंभीर एवं विचारोत्तेजक वक्तव्य प्रस्तुत किए। इस अवसर पर संगोष्ठी स्मारिका का विमोचन किया गया तथा डॉ. सुनीता अग्रवाल की पुस्तक का विधिवत विमोचन भी संपन्न हुआ।

द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण पर विशेष बल दिया। संगोष्ठी का द्वितीय दिवस, 31 जनवरी, पूर्णत: स्वर्गीय प्रो. जी. पी. शर्मा की स्मृति को समर्पित रहा। इस अवसर पर उनके परिवारजनों की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम को भावनात्मक गरिमा और आत्मीयता से भर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. महेश शुक्ला के प्रेरक वक्तव्य से हुआ, जिसमें उन्होंने स्वर्गीय प्रो. शर्मा के जीवन-दर्शन, अकादमिक यात्रा और उनकी अदम्य जिजीविषा पर प्रकाश डाला।

दुर्ग में आदर्श बिजली उपभोक्ताओं का किया अभिनन्दन

राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष में सीएसपीडीसीएल की अभिनव पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 2026' के अंतर्गत 31 जनवरी को छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, नगर संभाग दुर्ग द्वारा एक गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आदित्य नगर स्थित कुशाभाऊ ठाकरे भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिधियों, विभागीय अधिकारियों और उपभोक्ताओं की भारी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग शहर की महापौर अलका बाघमार उपस्थित रहीं। उनके साथ निगम सभापति श्याम शर्मा एवं विभिन्न वार्डों के

पार्षदगण विशेष रूप से सम्मिलित हुए। विभाग की ओर से अधीक्षण अभियंता एस मनोज, कार्यपालन अभियंता एसके महादुले, टीएन बंछोर और आरके दानी सहित समस्त सहायक व कनिष्ठ अभियंता एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्सव के इस अवसर पर विभाग ने अपनी परंपरा और सेवा को सम्मान देते हुए विभाग के रिटायर्ड अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शाल एवं श्रीफल भेंट कर उनकी दीर्घ सेवाओं के लिए सम्मानित किया।

कार्यक्रम में ऊर्जा संरक्षण और समय पर भुगतान को प्रोत्साहित करने हेतु घरेलू, गैर-घरेलू, कृषि, बीपीएल श्रेणी एवं पीएम सूर्य घर योजना के 5-5 चयनित उपभोक्ताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम परिसर में विभाग की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने हेतु विशेष स्टाल लगाए गए। बैनर और प्रोजेक्टर के माध्यम से उपभोक्ताओं को बिजली बचत, सुरक्षा और नई योजनाओं जैसे पीएम सूर्य घर के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया।अलका बाघमार ने अपने संबोधन में विद्युत विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि रजत महोत्सव के माध्यम से शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाना एक सराहनीय कदम है।

निर्मल ज्ञान मंदिर में युवा संत अभय साहेब की अनमोल वाणी

मनुष्य जीवन परमार्थ के लिए मिला है, स्वार्थ के लिए नहीं

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भारतीय ज्ञान परम्परा में हुए पंद्रहवीं शताब्दी के महान कवि संत कबीर के अनमोल विचार इस्पात नगरी भिलाई के निर्मल ज्ञान मंदिर परिसर (कबीर आश्रम) में तीन दिनों तक गूंजते रहे। भजन, सत्संग और प्रवचनों के साथ परिसर में तीन दिवसीय आध्यात्मिक सदज्ञान महायज्ञ का 57वाँ वार्षिक स्थापना महोत्सव आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में बिहार के भागलपुर जिले के कहलगांव से आए क्रांतिकारी युवा संत अभय साहेब (श्री कबीर पारख निकेतन) ने अपने प्रवचन के माध्यम से संत कबीर के दोहों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमें मनुष्य जीवन परमार्थ के लिए मिला है, निजी स्वार्थ के लिए नहीं। उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम् की महत्ता को सरल रूप में भक्तों को समझाने का सरहानीय प्रयास किया। संत अभय साहेब ने यह भी कहा कि हमें धन जोड़ने के बजाय कर्म के माध्यम से जीवन को सार्थक बनाने का प्रयास करना चाहिए ।

महायज्ञ में हरियाणा के संत गुलशन साहेब, धमतरी (छत्तीसगढ़) के संत हिरेंद्र साहेब और नागपुर (महाराष्ट्र) के संत यतींद्र साहेब ने भी अपने विचार व्यक्त किए। छत्तीसगढ़ के कई कबीर आश्रमों से संत और साध्वी इस अवसर पर उपस्थित रहे। समापन समारोह में शिक्षा और समाज के विभिन्न क्षेत्रों की अनेक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कबीर पंथियों ने देह दान की घोषणा करके मानवता के कल्याण के लिए अच्छा संदेश दिया। इस अवसर पर हाईटेक हॉस्पिटल स्मृति नगर द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। समाजसेवी संस्था के शिविर में नि:शुल्क रक्त परीक्षण किया गया। महोत्सव का समापन कार्यक्रम विगत पच्चीस जनवरी को सम्पन्न हुआ।

आयोजन के दौरान विभिन्न चरणों में गुरु वंदना के साथ -साथ ध्वजारोहण, मंगलाचरण, और भजन सत्संग के भी कार्यक्रम हुए। भजन संध्या में जागृति सार्वा, साध्वी सुमन, राधेश्याम साहू, गीतांजलि, डालेश्वरी और चोवाराम के साथ ही दूर -दूर से आए कलाकारों ने भी अपनी सहभागिता दी। आश्रम ट्रस्ट और प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कबीरपंथियों की उपस्थिति से निर्मल ज्ञान मंदिर परिसर में काफी चहल-पहल रही।

ललित बने अग्रवाल समाज दुर्ग के अध्यक्ष

दुर्ग। अग्रवाल समाज दुर्ग की आमसभा रविवार को अग्रसेन भवन दुर्ग में हुई, जिसमें सर्वसम्मति से ललित सक्सेरिया नए अध्यक्ष चुने गए। समाज के संरक्षक विजय अग्रवाल ने उनका नाम प्रस्तावित किया, जिसे उपस्थित सभी सदस्यों ने समर्थन दिया। बता दें कि ललित सक्सेरिया समाज में महासचिव, कोषाध्यक्ष के रूप में कई वर्षों से सक्रिय रहे हैं। नियुक्ति के बाद उन्होंने कहा कि मैं समाज की भावनाओं के अनुरूप कार्य करते हुए समाज को प्रगति के शिखर पर ले जाने के लिए सतत प्रयासरत रहूंगा। आगामी सप्ताह में पूरी कार्यकारिणी गठित की जाएगी। गौरीशंकर अग्रवाल ने अपने कार्यकाल के सभी सेवाभावी कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने समाज के सदस्यों का आभार माना।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

केंद्रीय बजट 2026-27: विकसित भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम- मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट भारत के सुनहरे और विकसित भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक दस्तावेज है। कर्तव्य भवन में बना हुआ यह पहला बजट है, जिसमें देश के समग्र विकास और प्रत्येक नागरिक के कल्याण को ध्यान में रखते हुए तीन प्रमुख कर्तव्यों-आर्थिक विकास एवं रोजगार वृद्धि, जनता की अपेक्षाओं की पूर्ति तथा 'सबका साथ, सबका विकास' को केंद्र में रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट गरीब, किसान, युवा, महिला, मध्यम वर्ग और श्रमिक वर्ग के उत्थान के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को इस बजट का सीधा लाभ मिलेगा।

महिला सशक्तिकरण को नई दिशा

लखपति दीदी योजना के विस्तार के माध्यम से महिलाओं को क्रेडिट-लिंक्ड स्वरोजगार, उद्यमिता और स्थानीय बाजार से जोड़ने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा हर जिले में बालिकाओं के लिए छात्रावास निर्माण की घोषणा से उन्हें उच्च शिक्षा में सहायता मिलेगी।

कर सुधार और आम जनता को राहत

आयकर प्रक्रिया को सरल बनाया गया है और छोटे करदाताओं के लिए आसान व्यवस्था की गई है। दवाइयां, कपड़े, जूते, मोबाइल, ईवी बैटरी, सोलर उपकरण, बायोगैस-सीएनजी सहित कई रोजमर्रा की वस्तुएं सस्ती होंगी, जिससे आम जनता को सीधी राहत मिलेगी। अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास' की भावना को और मजबूत करता है। यह बजट छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में समावेशी विकास सुनिश्चित करेगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इस ऐतिहासिक, विकासशील और जनकल्याणकारी बजट के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक पहल

स्वास्थ्य क्षेत्र को लेकर बजट को ऐतिहासिक बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बायोफार्मा सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे कैंसर, डायबिटीज सहित अन्य गंभीर बीमारियों की दवाइयां सस्ती होंगी। जिला अस्पतालों के उन्नयन, हर जिले में इमरजेंसी एवं ट्रॉमा सेंटर की स्थापना, मानसिक स्वास्थ्य और आयुर्वेदिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के साथ-साथ मेडिकल टूरिज्म के लिए राज्यों में पांच रीजनल हब स्थापित किए जाएंगे। इससे छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर बेहतर होगा और रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती

बजट में किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। एआई और आधुनिक तकनीक के माध्यम से कृषि उत्पादकता बढ़ाने, पशुपालन एवं डेयरी उद्योग को प्रोत्साहन देने की योजना बनाई गई है। साथ ही महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल के तहत स्थानीय उद्योग और हस्तशिल्प को बढ़ावा देकर ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट में युवाओं के लिए रोजगार सृजन पर विशेष जोर दिया गया है। स्टार्टअप, एमएसएमई, मैन्युफैक्चरिंग और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में नए अवसर पैदा होंगे। पर्यटन को बढ़ावा देने से स्थानीय आर्थिक विकास को गति मिलेगी और युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार मिलेगा। विदेश यात्रा और विदेशों में पढ़ाई भी पहले की तुलना में सस्ती होगी।

उद्योग, शिक्षा और खेल को बढ़ावा

देश की आर्थिक मजबूती के लिए 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, 20 नए जलमार्ग, बड़े टेक्सटाइल पार्क और 4 राज्यों में खनिज कॉरिडोर की घोषणा की गई है। सेमीकंडक्टर मिशन के लिए 40 हजार करोड़ रुपये के निवेश से औद्योगिक विकास और रोजगार को नई गति मिलेगी। वहीं खेलो इंडिया मिशन और शिक्षा क्षेत्र में सुधारों से बच्चों और युवाओं को बेहतर अवसर मिलेंगे।

बजट: किसान, गांव और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव : विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक, अभूतपूर्व और विकसित भारत की दिशा में निर्णायक बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट गांव, गरीब, किसान, महिला और युवा देश की प्राथमिक आवश्यकताओं को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई मजबूती देता है।

श्री शर्मा ने कहा कि किसानों के हित में बड़ा उर्वरक सब्सिडी का प्रावधान खेती की लागत घटाने वाला बड़ा कदम है। इससे सस्ता खाद-उर्वरक उपलब्ध होगा, उत्पादन लागत कम होगी और किसानों को सीधी राहत मिलेगी। साथ ही कृषि बजट को में समुचित प्रावधान किए जाने से कृषि अनुसंधान, नवाचार और आधुनिक तकनीकों को गति मिलेगी। ग्रामीण विकास पर 21 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि का उल्लेख करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि यह बजट

गांवों के समग्र विकास का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है।पंचायतों को दोगुनी सीधी सहायता, और विकसित ग्राम-स्वावलंबी ग्राम की परिकल्पना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिलेगी। लखपति दीदी और स-ाश्व-मार्ट जैसी पहलों से स्वयं सहायता समूहों की बहनें आजीविका से आगे बढ़कर उद्यमी बनेंगी।

उन्होंने कहा कि आज पेश केंद्रीय बजट 2026 यह स्पष्ट करता है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार देश को मजबूत फैसलों और ठोस परिणामों के साथ आगे ले जा रही है। यह बजट तुष्टिकरण नहीं, बल्कि विकास और राष्ट्रनिर्माण की राजनीति का दस्तावेज है। किसान, गरीब, मध्यम वर्ग और युवाओं सभी वर्गों के लिए किए गए प्रावधान दर्शाते हैं कि सरकार की सोच वोट बैंक की नहीं, बल्कि भारत के भविष्य की है। विपक्षी दलों ने सरकार द्वारा मनरेगा को कमजोर करने का आरोप लगाया जाता है जबकि सरकार ने केंद्रीय बजट में मनरेगा के लिए अधिक राशि का प्रावधान कर अपनी मंशा को स्पष्ट कर दिया है कि सरकार देश की जनता के लिए मनरेगा को सशक्त एवं वीबी जी राम जी के द्वारा अधिक प्रभावी बनाने के लिए संकल्पित हैं। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने विश्वास जताया कि बुनियादी ढांचे, रोजगार, शिक्षा और आत्मनिर्भर भारत पर मजबूत निवेश के साथ यह बजट अगले 25 वर्षों के सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत की नींव को और मजबूत करेगा तथा देश को विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने की दिशा में निर्णायक सिद्ध होगा।

विकसित भारत की ओर ले जाने वाला ऐतिहासिक बजट : अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट का स्वागत करते हुए इसे विकसित भारत के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक और दूरदर्शी बजट बताया है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट आम नागरिक के जीवन को सरल और सुगम बनाने वाला है, जिसमें देश के हर क्षेत्र और हर वर्ग की जरूरतों को धरातल पर जाकर समझते हुए प्रावधान किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए आर्थिक सुधारों की श्रृंखला को यह बजट और मजबूती देता है। योजनाबद्ध तरीके से देश की ताकत और क्षमताओं के अनुरूप अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का जो क्रम शुरू हुआ, उसी का परिणाम है कि वैश्विक महामारी जैसी कठिन चुनौतियों के बावजूद भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। यह बजट उसी मजबूत नींव पर भविष्य की तेज रफ्तार तय करने वाला है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक सुधारों का सीधा लाभ आम जनता को मिला है। करोड़ों गरीब परिवारों को पक्का आवास, आयुष्मान भारत के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि योजना, बुनियादी ढांचे का अभूतपूर्व विस्तार, उत्पादन बढ़ाकर निर्यात को प्रोत्साहन—ये सभी प्रयास देश की अर्थव्यवस्था को लगातार मजबूत कर रहे हैं। आज प्रस्तुत बजट इन सभी पहलों को आगे बढ़ाने वाला है। श्री साव ने स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रावधानों को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताया। रांची और तेजपुर के मानसिक चिकित्सालयों को अपग्रेड करने, वहां शोध सुविधाएं विकसित करने तथा मधुमेह, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की दवाईयों की कीमत कम करने के निर्णय को आमजन के हित में बड़ा कदम बताया। इसके साथ ही खादी, ग्रामोद्योग और हैंडलूम को बढ़ावा देकर ग्रामीण और घरेलू स्तर पर काम करने वाले लोगों को सशक्त करने की योजना को रोजगार सृजन की दिशा में प्रभावी बताया।

आत्मनिर्भर भारत की ओर निर्णायक कदम - मंत्री गजेंद्र यादव

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में तथा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026 देश के समग्र, समावेशी एवं सतत विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। यह बजट शिक्षा, रोजगार, तकनीक, स्वास्थ्य, ग्रामोद्योग, पर्यटन एवं आधारभूत संरचना जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देश को नई ऊँचाइयों तक ले जाने वाला सिद्ध होगा। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने वाला, जनकल्याणकारी और विकासोन्मुखी है। केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने बजट का स्वागत किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाला है। उन्होंने कहा कि यह बजट बच्चों के उज्ज्वल भविष्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान अवसर की मजबूत नींव रखता है। मंत्री श्री यादव ने कहा कि केंद्रीय बजट में स्कूल शिक्षा के लिए किए गए प्रावधान अत्यंत सराहनीय हैं। शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ बच्चों के ड्रॉप-आउट को रोकने हेतु प्रत्येक जिला मुख्यालय में छात्रावास भवनों के निर्माण का प्रावधान किया गया है।

विकसित भारत की मजबूत नींव- मंत्री गुरु खुशवंत साहेब

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में तथा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी दस्तावेज है। इस बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि यह बजट युवाओं को कौशल, तकनीक और रोजगार से जोड़ते हुए आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला रखता है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य भवन में प्रस्तुत यह पहला बजट है, जिसमें आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना को केंद्र में रखा गया है। यह बजट गरीब, किसान, युवा, महिला, मध्यम वर्ग और श्रमिक वर्ग के सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा, जिसका सीधा लाभ छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को मिलेगा। मंत्री श्री साहेब ने कहा कि बजट में युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार को विशेष प्राथमिकता दी गई है। स्टार्टअप, एमएसएमई, मैन्युफैक्चरिंग, पर्यटन एवं सेवा क्षेत्रों में नए रोजगार अवसर सृजित होंगे। तकनीकी शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और इंडस्ट्री-लिंक्ड ट्रेनिंग से युवा भविष्य-उन्मुख कौशल से लैस होंगे।

केंद्रीय बजट 2026 पर्यटन लिए ऐतिहासिक उपहार : मंत्री राजेश अग्रवाल

रायपुर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट 2026-27 को छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने राज्य के विकास के लिए मील का पत्थर बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट पर्यटन को रोजगार इंजन बनाने और सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक पटल पर उजागर करने की दिशा में क्रांतिकारी कदम है, जो छत्तीसगढ़ जैसे समृद्ध सांस्कृतिक राज्य के लिए वरदान सिद्ध होगा। बजट में पर्यटन क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय आतिथ्य संस्थान की स्थापना, प्रमुख पर्यटन हबों में गाइड प्रशिक्षण पायलट योजना और इकोलॉजिकल माउंटेन ट्रेल्स का विकास शामिल है। इसके अलावा, 15 पुरातात्विक स्थलों को सांस्कृतिक पर्यटन गंतव्यों में बदलने तथा अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर टीसीएस दर 2 प्रतिशत घटाने से सस्ती यात्रा संभव होगी। छत्तीसगढ़ के इको-एथनिक पर्यटन, जनजातीय संस्कृति और राजिम कुंभ जैसे आयोजनों को इससे अपार लाभ मिलेगा। श्री अग्रवाल ने कहा कि केंद्र सरकार का यह प्रयास छत्तीसगढ़ की पर्यटन संभावनाओं को साकार करेगा। हमारी राज्य सरकार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पहले ही पर्यटन नीति 2026 के तहत 350 करोड़ से अधिक निवेश आकर्षित कर चुकी है।

औद्योगिक, कृषि और ग्रामीण विकास को नई दिशा : मंत्री लखन लाल देवांगन

रायपुर। वाणिज्य, उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने केंद्रीय बजट 2026-27 पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट छत्तीसगढ़ के औद्योगिक, कृषि और ग्रामीण विकास को नई गति देने वाला सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के अनुरूप औद्योगिक क्लस्टरों को पुनर्जीवित करने के लिए 2 हजार करोड़ रुपये के प्रावधान से राज्य में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को सशक्त किया जाएगा, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। श्री देवांगन ने कहा कि बजट में MSME और बायोफार्मा सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ रुपये तथा सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए 40 हजार करोड़ रुपये के प्रावधान से छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न राज्यों में माइनिंग आधारित औद्योगिक कॉरिडोर, टेक्सटाइल और केमिकल पार्क की स्थापना से राज्य का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मजबूत होगा। मंत्री देवांगन ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में सुधार, आर्थिक ऋण गारंटी और कर प्रक्रियाओं के सरलीकरण से राज्य के उद्यमियों, व्यापारियों और स्टार्टअप्स को पूंजी तक आसान पहुंच मिलेगी।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने इसे समावेशी विकास, सामाजिक न्याय और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखने वाला जनहितैषी बजट बताया है। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि यह बजट गरीब, किसान, युवा और महिलाओं को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण एवं उद्यमिता को समान रूप से प्राथमिकता देकर देश के सर्वांगीण विकास को नई गति प्रदान की गई है। श्रीमती राजवाड़े ने महिला सशक्तिकरण से जुड़ी घोषणाओं की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक जिले में महिला छात्रावास के निर्माण से छात्राओं एवं कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित और सुविधाजनक आवास उपलब्ध होगा, जिससे शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी और अधिक सशक्त होगी। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था, स्वयं सहायता समूहों, स्टार्टअप्स, कौशल प्रशिक्षण और नवाचार को बढ़ावा देने से महिलाओं के साथ-साथ युवाओं के लिए भी नए अवसर सृजित होंगे।

केंद्रीय बजट : 'विकसित भारत' के साथ खुशहाल छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव: बृजमोहन अग्रवाल

वैश्विक मंदी के बीच 7 प्रतिशत विकास दर मोदी सरकार की आर्थिक दूरदर्शिता का प्रमाण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए इसे प्रधानमंत्र नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने वाला और छत्तीसगढ़ के समग्र विकास के लिए ऐतिहासिक बजट बताया है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक मंदी और अस्थिरता के दौर में भी देश की विकास दर को 7 प्रतिशत पर बनाए रखना मोदी सरकार की मजबूत आर्थिक नीति और दूरदर्शिता का प्रमाण है।

यह बजट युवा, महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में 12.2 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय प्रस्तावित है, जिससे देशभर में इंफ्रास्ट्रक्चर का तेज विकास होगा और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

छत्तीसगढ़ के लिए बड़ी सौगातें

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि खनिज संपन्न और जनजातीय बहुल राज्य छत्तीसगढ़ के लिए बजट में कई दूरगामी घोषणाएं की गई हैं।

माइनिंग कॉरिडोर: छत्तीसगढ़, ओडिशा और केरल में माइनिंग कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे। इससे कोयला, लौह अयस्क और बॉक्साइट क्षेत्रों में कनेक्टिविटी मजबूत होगी, परिवहन लागत घटेगी और औद्योगिक निवेश बढ़ेगा।

जनजातीय कल्याण: छत्तीसगढ़ सहित 8 राज्यों में जनजातीय स्वास्थ्य वेधशालाओं की स्थापना और जनजातीय स्कूलों में स्पोर्ट्स हब विकसित करने का प्रस्ताव सामाजिक विकास को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि एक ही वर्ष में छत्तीसगढ़ को 52,000 करोड़ का केंद्रीय सहयोग मिलना, मोदी सरकार के छत्तीसगढ़ के प्रति प्रेम और विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह राशि पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 4,500 करोड़ अधिक है, जिससे राज्य में विकास की रफ्तार और तेज होगी।

शिक्षा की नई पहचान

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि 11,828 करोड़ के केंद्रीय आवंटन से छत्तीसगढ़ की तकनीकी शिक्षा को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। भिलाई अब देश के प्रमुख में अपना स्थान बनाएगा और छत्तीसगढ़ को ग्लोबल टेक हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम हैकृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल श्री अग्रवाल ने कहा कि कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ के लिए यह बजट गेम-चेंजर साबित होगा। छत्तीसगढ़ का कोसा सिल्क उद्योग, कोको और काजू उत्पादन अब नए पंखों के साथ उड़ान भरेगा। महात्मा गांधी ग्राम स्व-स्वराज और हाई-वैल्यू एग्री प्रोग्राम के माध्यम से बस्तर के काजू और बुनकरों के कोसा सिल्क को वैश्विक ब्रांड बनाया जाएगा।

नारी शक्ति को नई मजबूती

श्री अग्रवाल ने बताया कि बजट में शी-मार्ट्स की घोषणा की गई है, जिसके तहत 'लखपति दीदियों' के लिए गांव-गांव में रिटेल आउटलेट खुलेंगे। इससे ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा। हर जिले में लड़कियों के लिए हॉस्टल निर्माण की योजना से ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों की छात्राओं को उच्च शिक्षा में सहायता मिलेगी।

आवास: प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2 करोड़ नए पक्के घरों का लक्ष्य, जिससे छत्तीसगढ़ के गरीब और मध्यम वर्ग को सीधा लाभ मिलेगा।

जेनिफर संग शादी की खबरों पर आया करण वाही का रिएक्शन

हाथ जोड़कर कह डाली ऐसी बात.....

मशहूर टीवी एक्टर करण वाही इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफको लेकर सुर्खियों में हैं। ऐसी अफवाहें उड़ीं कि वे एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट के साथ घर बसाने जा रहे हैं। इस तरह के दावों पर एक्टर ने चुप्पी तोड़ी है।

करण वाही और जेनिफर विंगेट की शादी की अफवाहें चल रही हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि दोनों जल्द शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। शादी की खबरों पर करण वाही ने पहली बार चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर किया है।

करण वाही ने क्या कहा?

करण वाही ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट लिखा है। उन्होंने लिखा है, 'फ्री की पीआर के लिए बहुत बहुत शुक्रिया'। उन्होंने सीधे तौर पर शादी का जिक्र नहीं किया है। मगर, यह पोस्ट ऐसे वक्त में आई है, जब उनका नाम जेनिफर के साथ जोड़ा जा रहा है और शादी तक के दावे किए जा रहे हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने हाथ जोड़ने वाली इमोजी भी बनाई है।

साथ काम कर चुके हैं करण और जेनिफर

जेनिफर विंगेट और करण वाही काफी अच्छे दोस्त हैं। दोनों साथ काम भी कर चुके हैं। साल 2007 के पॉपुलर शो 'दिल मिल गए' में जेनिफर विंगेट ने डॉक्टर रिद्धिमा गुप्ता का किरदार अदा किया था। इसी शो में करण वाही को डॉ. सिद्धांत मोदी रोल में देखा गया था। साल 2024 में सोनी लिव की वेब 'सीरीज रायसिंघानी बनाम रायसिंघानी' में ये साथ नजर आए थे। इस बीच ऐसी खबरें आईं कि दोनों अपनी दोस्ती को आगे बढ़ाते हुए शादी करने जा रहे हैं।

जेनिफर विंगेट की करण सिंह ग्रोवर से हुई थी शादी

बता दें कि जेनिफर विंगेट की पहली शादी साल 2012 में एक्टर करण सिंह ग्रोवर के साथ हुई थी। हालांकि, महज दो साल में ही दोनों का तलाक हो गया। करण सिंह ग्रोवर अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं और उन्होंने साल 2016 में बिपाशा बसु के साथ शादी रचाई है।

'मैं तुम्हारा शरीर देखना चाहता हूं'

जब एक फोटोग्राफर ने ऐश्वर्या राजेश को कमरे में बुलाकर की ऐसी हरकत.....

अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश ने अपने साथ घटे एक ऐसे घटनाक्रम को याद किया, जिसने उन्हें पूरी तरह से हैरान कर दिया था। तमिल और तेलुगु सिनेमा की अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश ने इंडस्ट्री में नाम कमाने से पहले अपने साथ हुए एक भयावह अनुभव को साझा किया। एक्ट्रेस ने एक फोटोग्राफर द्वारा उनके साथ किए गए इस डरावने अनुभव को साझा किया है। उन्होंने बताया कि कैसे इस घटना के बाद वो काफी डर गई थीं।

कम उम्र में ही एक फोटोशूट के दौरान उन्हें लगभग यौन शोषण का शिकार होना पड़ा। एक्ट्रेस ने बताया कि यह उस समय की बात है जब मैं बहुत छोटी थी और फिल्मों में कदम भी नहीं रखा था। मुझे एक फोटोशूट के लिए बुलाया गया था और मैं अपने भाई के साथ गई थी। मैं इस घटना को कभी नहीं भूलूंगी। उसने मेरे भाई को बाहर बैठने के लिए कहा। फिर उसने मुझे छोटे और रिवीलिंग अंडरगारमेंट दिए और कहा कि इसे पहनो, मैं तुम्हारा शरीर देखना चाहता हूं। मैं इतनी छोटी थी कि मुझे बहुत हैरानी हुई।

हैरान रह गईं थी एक्ट्रेस

अभिनेत्री ने आगे बताया कि वहां मौजूद कुछ अन्य लोगों ने उन्हें मनाने की कोशिश की। अगर वे मुझे और ज्यादा मनाते, तो मैं इसे पहन लेती। लेकिन मेरे अंदर कुछ ऐसा था जिसने मुझे उनसे यह कहने के लिए मजबूर किया कि मुझे अपने भाई की अनुमति चाहिए। अपने भाई को बताने के बजाय मैं बस बाहर निकली और उसके साथ चली गई। इससे मुझे यह सोचकर हैरानी हुई कि उन्होंने कितनी युवा लड़कियों के साथ ऐसा किया होगा।

फिल्मी बैकग्राउंड से आती हैं ऐश्वर्या राजेश

ऐश्वर्या तेलुगु अभिनेता राजेश और नृत्यांगना नागमणि की बेटी हैं। और अभिनेत्री श्रीलक्ष्मी की भतीजी हैं। उन्होंने साल 2010 में आई तमिल फिल्म 'नीथाना अवन' से डेब्यू किया था। जबकि उन्हें सफलता साल 2015 में आई फिल्म 'काका मुट्टई' से मिली। 2025 में ऐश्वर्या तेलुगु फिल्म 'संक्रांतिकी वास्तुनम' और तमिल फिल्म 'थेयावर कुलई नाडुंगा' में नजर आई थीं।

अंकिता लोखंडे ने उषा नाडकर्णी को बताया रॉकस्टार, सोशल मीडिया पर लिखा दिल छू लेने वाला नोट

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार विजय सेतुपति की आगामी फिल्म गांधी टॉक्स का टीजर मंगलवार को सामने आ गया। यह एक साइलेंट फिल्म है, जिसमें कोई डायलॉग नहीं है। फिल्म में एआर रहमान का म्यूजिक है, जो कहानी के उतार-चढ़ाव को जीवंत करेगा। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मराठी और हिंदी सिनेमा की वरिष्ठ कलाकार उषा नाडकर्णी भी शामिल हुईं। उन्हें फिल्म में काम करते देख उनकी पुरानी को-स्टार और पवित्र रिश्ता फेम अभिनेत्री अंकिता लोखंडे भावुक हो गईं। अंकिता ने अपने इंस्टाग्राम पर उषा नाडकर्णी का एक वीडियो शेयर करते हुए उनके प्रति अपना सम्मान और प्यार व्यक्त किया। अंकिता उन्हें प्यार से आई (मां) कहकर बुलाती हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में उषा जी की जमकर तारीफ की और उन्हें एक रॉकस्टार बताया। अंकिता ने लिखा, आई, आप वास्तव में एक रॉकस्टार हैं और हर तरह से हम सभी के लिए प्रेरणादायक हैं। आपसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। आप आज भी अपने काम के प्रति जुनूनी, समर्पित और विनम्र हैं। आपकी ईमानदारी और सादगी को मेरा सलाम है। मुझे आपसे बहुत प्यार है।

बता दें कि अंकिता और उषा ने टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता में साथ में काम किया था। इसमें उषा ने अंकिता की सास का रोल निभाया था। यह सीरियल 2009 में ऑन एयर हुआ था, जिसमें अंकिता लोखंडे और दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने अर्चना और मानव के रूप में लीड रोल निभाया था।

किशोर पांडुरंग द्वारा निर्देशित फिल्म गांधी टॉक्स में विजय सेतुपति के अलावा अरविंद स्वामी, अदिति राव हैदरी, सिद्धार्थ जाधव और महेश मांजरेकर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

गांधी टॉक्स के ट्रेलर ने सोशल मीडिया पर पहले ही हलचल मचा दी है। यह फिल्म एक बेरोजगार की कहानी है, जिसे पड़ोसन अदिती राव से प्यार हो जाता है। एआर रहमान के दमदार संगीत और सेतुपति, स्वामी और अदिति के शानदार अभिनय ने ट्रेलर को और भी ज्यादा आकर्षक बना दिया है। 'गांधी टॉक्स' 30 जनवरी को सिनेमाघरों में हुई रिलीज।

सामंथा रुथ प्रभु का कैसा गुजरा 2026 का पहला महीना? पति राज के साथ शेयर कीं खूबसूरत यादें

साल 2026 का पहला महीना जनवरी विदा ले चुका है। सामंथा रुथ प्रभु के लिए यह बेहद खास रहा। उन्होंने जनवरी महीने की खूबसूरत झलक फैंस के साथ शेयर की हैं। सामंथा रुथ प्रभु ने बीते वर्ष पहली दिसंबर को निर्माता राज निदिमोरु से शादी रचाई। नव-विवाहित जोड़ी ने एक साथ नए साल 2026 का स्वागत किया और पहला महीना बेहद खास रहा। अपनी शादीशुदा जिंदगी में कपल बेहद खुश है। सामंथा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस के साथ जनवरी के खूबसूरत लम्हें साझा किए हैं।

सामंथा ने लिखा- 'जनवरी ने मेरा दिल जीत लिया'

सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अपनी कुछ खूबसूरत फोटोज शेयर की हैं, जिनमें से कुछ तस्वीरों में उन्हें पति राज के साथ खुशनुमा अंदाज में देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'जनवरी ने पहले ही मेरा दिल जीत लिया है'। इसके साथ उन्होंने इविल आई इमोजी बनाया है।

एक्ट्रेस के लिए खास रहा 77वां गणतंत्र दिवस

सामंथा रुथ ने एक और बेहद खूबसूरत फोटो शेयर की है, जो उनके लिए भी एक यादगार बन चुकी है। यह फोटो राष्ट्रपति भवन के सामने की है। दरअसल, सामंथा के लिए इस साल यानी 77वां गणतंत्र दिवस बेहद खास रहा। उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा आयोजित रिसेप्शन में शामिल होने का अवसर मिला। वे राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'एट होम' रिसेप्शन में शरीक हुईं। एक्ट्रेस ने इस ऐतिहासिक पल को जीवन का एक सपना बताया। उन्होंने हालिया पोस्ट में भी यह याद शेयर की है।

फैंस बोले- 'सैम को खुश देख खुशी मिली'

सामंथा की फोटोज पर नेटिजन्स और उनके फैंस के कमेंट्स आ रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, 'सामंथा के चेहरे पर खुशी और सुकून साफ देखा जा सकता है। यह देखकर हमें भी बहुत खुशी हो रही है'। एक यूजर ने लिखा, 'सैम को खुश देखकर कितना अच्छा महसूस हो रहा है, बताया नहीं जा सकता'।

चेहरे पर सीरम लगाने से मिल सकते हैं ये 5 फायदे, जानिए कैसे

चेहरे की देखभाल के लिए लोग कई तरह की चीजों का इस्तेमाल करते हैं, जिनमें से एक है फेस सीरम। यह एक खास प्रकार का त्वचा देखभाल उत्पाद है, जिसमें विटामिन, एंटी-ऑक्सीडेंट्स और नमी देने वाले तत्व होते हैं। यह त्वचा को गहराई से पोषण देता है और उसे स्वस्थ रखता है। आइए जानते हैं कि फेस सीरम को त्वचा देखभाल रूटीन में शामिल करने से क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

त्वचा को प्रदान कर सकता है गहराई से पोषण

फेस सीरम में मौजूद खास तत्व त्वचा की गहराई तक पहुंचकर उसे पोषण देते हैं। यह न केवल ऊपर से बल्कि अंदर से भी त्वचा को स्वस्थ बनाता है। इसके लिए आप विटामिन-सी या विटामिन-ई वाले सीरम का चयन कर सकते हैं। ये विटामिन्स त्वचा को चमकदार बनाते हैं और उसे नमी प्रदान करते हैं, जिससे आपकी त्वचा ताजगी भरी महसूस होती है। इस प्रकार फेस सीरम आपकी त्वचा को गहराई से पोषण देता है।

उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने में है सहायक

फेस सीरम में उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने वाले गुण होते हैं, जो झुर्रियों, महीन रेखाओं और त्वचा की कसावट को कम करने में मदद करते हैं। नियमित रूप से फेस सीरम का उपयोग करने से आपकी त्वचा युवा और ताजगी भरी दिखेगी। इसके एंटी-ऑक्सीडेंट्स आपकी त्वचा को हानिकारक तत्वों से बचाते हैं, जो उम्र बढ़ाने में योगदान करते हैं। इस प्रकार फेस सीरम आपकी त्वचा को स्वस्थ और युवा बनाए रखने में मदद करता है।

दाग-धब्बों को हल्का करने में है प्रभावी

अगर आपके चेहरे पर दाग-धब्बे हैं तो फेस सीरम उनका इलाज करने में मदद कर सकता है। विटामिन-सी वाले सीरम विशेष रूप से इस काम में प्रभावी होते हैं क्योंकि ये दाग-धब्बों को हल्का करते हैं और रंगत को समान बनाते हैं। इसके अलावा यह त्वचा की चमक भी बढ़ाता है, जिससे आपका चेहरा ताजगी भरा और साफ-सुथरा दिखता है। नियमित उपयोग से आपको अपने चेहरे में बड़ा अंतर नजर आएगा।

नमी बनाए रखने में है मददगार

फेस सीरम आपकी त्वचा को गहराई तक नमी प्रदान करता है, जिससे त्वचा सूखी नहीं होती और उसमें चिपचिपाहट भी नहीं आती। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है, जिनकी त्वचा रूखी या बेजान होती है। इसके नियमित उपयोग से आपकी त्वचा मुलायम और नमीयुक्त रहती है। इसके अलावा यह त्वचा की प्राकृतिक नमी को भी बनाए रखने में मदद करता है, जिससे आपकी त्वचा ताजगी भरी और स्वस्थ दिखती है।

सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने में है सहायक

फेस सीरम सूरज की हानिकारक किरणों से होने वाले नुकसान से बचाने में भी मदद करता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स सूरज की हानिकारक किरणों से होने वाले नुकसान से बचाव करते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि आप अपने त्वचा देखभाल रूटीन में फेस सीरम को शामिल करें। इस प्रकार फेस सीरम कई प्रकार के लाभ प्रदान करता है, जो आपकी त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

खास खबर

शिक्षक पात्रता परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, परीक्षार्थियों की रही अच्छी उपस्थिति

रायगढ़। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा आज रायगढ़ जिले में व्यवस्थित और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। इस परीक्षा के सफल आयोजन के लिए जिले में कुल 77 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें प्राथमिक स्तर के लिए 30 और माध्यमिक स्तर के लिए 47 केंद्र निर्धारित थे। परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों में खासा उत्साह देखा गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों ही पालियों में उपस्थिति का औसत 90 प्रतिशत से अधिक रहा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, प्रथम पाली में 8,235 परीक्षार्थियों में से 7,401 उपस्थित रहे, जबकि दूसरी पाली में 13,059 में से 11,950 परीक्षार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। परीक्षा के दौरान नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया गया। व्यापम के निर्देशानुसार परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट पहले ही केंद्रों के मुख्य द्वार बंद कर दिए गए थे। सुरक्षा के लिहाज से तैनात पुरुष एवं महिला कर्मी द्वारा सभी परीक्षार्थियों की गहन जांच की गई और केवल मूल पहचान पत्र के आधार पर ही प्रवेश की अनुमति दी गई। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में पूरी प्रक्रिया को इतना सुव्यवस्थित रखा गया कि कहीं भी किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति या अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली। प्रशासनिक स्तर पर इस परीक्षा की निगरानी के लिए कलेक्टर द्वारा डिप्टी कलेक्टर धनराज मरकाम को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया था।

मोर सुआद दीदी की रसोई में चित्रकला प्रदर्शनी एवं विक्रय का शुभारंभ

कोंडागांव। जिला प्रशासन कोंडागांव की अभिनव पहल के तहत मोर सुआद दीदी की रसोई परिसर में शनिवार को चित्रकला प्रदर्शनी एवं विक्रय का शुभारंभ बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिले भर से आए लोक कलाकारों एवं मॉडर्न आर्ट के कलाकारों ने अपनी रचनाओं की प्रदर्शनी लगाई, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही।प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य जिले के प्रतिभावान कलाकारों को एक सशक्त मंच प्रदान करना तथा बस्तर की समृद्ध आदिवासी कला और संस्कृति को नई पहचान दिलाना है। प्रदर्शनी में पारंपरिक आदिवासी चित्रकला के साथ-साथ आधुनिक शैली की कलाकृतियाँ भी देखने को मिलीं, जिससे कला प्रेमियों को विविधता का अनुभव हुआ।इस आयोजन में भित्ति चित्र के माध्यम से कलाकारों द्वारा आदिवासी संस्कृति के इतिहास और जीवन शैली को दिखाया गया। प्रसिद्ध कलाकार राजेन्द्र राव द्वारा रामायण के एक प्रमुख खंड को पेंटिंग के माध्यम से जीवंत रूप में उकेरा गया, जिसे प्रदर्शनी में प्रमुख स्थान दिया गया। लता उसेंडी ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कलाकारों की सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजनों से स्थानीय कलाकारों को न केवल प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि उनकी कला को बाजार और पहचान भी प्राप्त होती है।

राज्य स्तरीय पैरा एथलेटिक्स में ओंकारेश्वर प्रसाद सोनवानी ने जीते दो स्वर्ण पदक

कोरबा। रायपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित 16वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता वर्ष 2025-26 में ओंकारेश्वर प्रसाद सोनवानी, निवासी ग्राम खोडुल, जिला कोरबा (छत्तीसगढ़) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भाला फेंक एवं गोला फेंक स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 28 जनवरी से 30 जनवरी 2026 तक तीन दिनों तक आयोजित की गई। प्रतियोगिता का आयोजन पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ द्वारा किया गया, जबकि आयोजन स्थल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मैदान, कृषि महाविद्यालय, जोरा, रायपुर (छ.ग.) रहा। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आए पैरा खिलाड़ियों ने भाग लिया। भाला फेंक और गोला फेंक दोनों ही स्पर्धाओं में ओंकारेश्वर प्रसाद सोनवानी ने सटीक तकनीक, मजबूत आत्मविश्वास और निरंतर अभ्यास के बल पर अन्य प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की दर्शकों एवं आयोजकों द्वारा सराहना की गई।

छत्तीसगढ़ के शांति प्रिय धरा में कबीरपंथ का है व्यापक प्रभाव-मुख्यमंत्री

डबल इंजन की सरकार से लोगों को मिल रहा है फायदा, विकसित प्रदेश बनने छत्तीसगढ़ तेजी से अग्रसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार को कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा में माघ पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित सतगुरु कबीर संत समागम समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने पंथ उदित मुनि नाम साहेब, पंथ प्रकाश मुनि नाम साहब को चादर श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। उन्होंने इस दौरान संत समागम समारोह की राशि 50 लाख रूपये से बढाकर 75 लाख रूपये करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय माघ पूर्णिमा की शुभकामनायें देते हुए कहा कि कबीर धर्म नगर दामाखेड़ा का संत समागम समारोह हर साल भव्य होते जा रहा है जो लोगों में बढ़ते आस्था का प्रतीक है। कबीरपंथ का छत्तीसगढ़ के जनजीवन में व्यापक प्रभाव है इसलिए यहां के लोग शांति प्रिय है।

श्री साय ने कहा कि वे बचपन से ही कबीर पंथ से परिचित है और उनके गांव बगिया में भी 8-10 कबीर पंथी परिवार है। उन्होंने दामाखेड़ा का नाम कबीर धर्मनगर करने के संबंध में बताया कि राजपत्र में प्रकाशन हेतु अंतिम प्रक्रिया जारी है।

श्री साय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार से लोगों को सीधा फायदा मिल रहा है। अब छत्तीसगढ़ तेजी से विकसित प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास की बाधा की नक्सलवाद अब जल्द ही जड़ से समाप्त होने वाला है।31 मार्च 2026 तक प्रदेश से समूल नष्ट होगा। हमने जनता से किया वादा को तेजी से पूरा किया है। डबल इंजन की सरकार का फायदा लोगों को मिल रहा है।उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को बहुत आगे ले जाना है और विकसित प्रदेश के रूप में खड़ा करना है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पंथ उदित मुनि नाम साहब का चादर तिलक अद्भुत और अलौकिक रहा।

पंथ श्री ने वृक्षारोपण, समाज सेवा, नशामुक्ति एवं युवा उत्थान के क्षेत्र में कार्य कर रहे है। आज के कार्यक्रम में पंथ श्री का दर्शन कर प्रदेश की सुख समृद्धि का आशीर्वाद लिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कबीर आश्रम के विभिन्न विकास कार्यों को लेकर हमेशा चिंतित रहते है और शीघ्र पूरा करने के निर्देश देते है। कार्यक्रम को खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, भाटापारा विधायक इंद्र साव ने भी सम्बोधित किया। समारोह में पंथश्री प्रकाश मुनि नाम साहब ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का कबीरपंथी समाज की ओर से आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष माघ मेला के प्रथम दिन बसंत पंचमी के अवसर पर कबीर पंथ के नये संवाहक 16 वें वंशाचार्य पंथीश्री उदित मुनि नाम साहेब का चादर तिलक संपन्न हुआ।

उन्होंने बताया की इस वर्ष देश के विभिन्न प्रांतो के साथ ही विदेशो से भी कबीरपंथी संत समागम मेला में आये हैं। समारोह को शासन प्रशासन का भरपूर सहयोग मिला है। उन्होंने मेला संत समागम समारोह की राशि 50 लाख रूपये से 75 लाख रूपये करने पर मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर पंथश्री उदित मुनि नाम साहब, गुरूगोसांई भानुप्रताप साहब, विधायक भावना बोहरा, ईश्वर साहु, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा सहित सदगुरू कबीर धर्मदास साहेब वंशावली प्रतिनिधि सभा के प्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में कबीरपंथी उपस्थित थे।

राजिम कुंभ कल्प मेला 2026: माघ पूर्णिमा पर त्रिवेणी संगम में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर रविवार 01 फरवरी को छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध धार्मिक नगरी राजिम में स्थित त्रिवेणी संगम पर आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। पैरी, सोढूर और महानदी के पवित्र संगम में तड़के सुबह से ही हजारों श्रद्धालुओं ने पुण्य स्नान कर माघी स्नान का लाभ प्राप्त किया। इसी के साथ ऐतिहासिक राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 का विधिवत शुभारंभ हुआ।

नदी तट पर आस्था के दीप

प्रदेश के कोने-कोने सहित अंचलों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने सूर्योदय पूर्व संगम में डुबकी लगाकर स्वयं को धन्य किया। धार्मिक मान्यता के अनुसार माघ पूर्णिमा पर प्रात: काल किया गया पुन्नी स्नान विशेष पुण्यदायी माना जाता है। स्नान उपरांत कई महिलाओं एवं युवतियों ने तीनों नदियों में स्नान के पश्चात नदी की रेत में शिवलिंग का निर्माण कर नारियल, बेलपत्र, धतूरा, दूध अर्पित कर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही नदी की धार में दीपदान कर श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। दीपदान का विशेष धार्मिक महत्व होने के कारण संगम क्षेत्र दीपों की पंक्तियों से आलोकित होता नजर आया।

धार्मिक स्थलों में दर्शन को उमड़ी भीड़

श्रद्धालुओं ने दीपदान कर श्री राजीव लोचन मंदिर एवं कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। दोनों मंदिरों के अतिरिक्त लोमश ऋषि आश्रम, राजिम भक्तिन माता मंदिर, मामा-भाचा मंदिर, राजराजेश्वर, दानदानेश्वर एवं बाबा गरीबनाथ महादेव के दर्शन कर पुण्य लाभ लिया।

आज 01 फरवरी प्रारंभ हुए 15 दिवसीय राजिम कुंभ कल्प मेला का समापन 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर होगा। मेले के दौरान 10 फरवरी से 15 फरवरी तक संत समागम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे संत-महात्मा श्रद्धालुओं को अपने आशीर्वचन प्रदान करेंगे। कुंभ मेले में माघ पूर्णिमा के अलावा 09 फरवरी को जानकी जयंती तथा 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर विशेष पर्व स्नान का पुण्य लाभ श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा।

12 ज्योतिर्लिंग और पंचकोशी धाम थीम पर आधारित कुंभ

इस वर्ष राजिम कुंभ कल्प मेले का स्वरूप विशेष रूप से आकर्षक है। मेले की थीम बारह ज्योतिर्लिंग एवं पंचकोशी धाम पर आधारित रखी गई है, जो श्रद्धालुओं को भारतीय सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का भव्य अनुभव कराएगी। मेले के दौरान धार्मिक अनुष्ठान, प्रवचन, संत समागम एवं आध्यात्मिक संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। देशभर से साधु-संत, कथा वाचक और श्रद्धालु इस कुंभ कल्प में शामिल होंगे।

श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु व्यापक व्यवस्था

मेला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, शौचालय, पार्किंग, ठहरने एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है। साथ ही सुरक्षा, यातायात नियंत्रण एवं स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

हाथी-मानव द्वंद कम करने जशपुर वन मंडल में ड्रोन तकनीक की पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। जशपुर वन मंडल क्षेत्र में हाथियों का निरंतर विचरण बना हुआ है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए हाथी प्रभावित वन परिक्षेत्रों में हाथियों की गतिविधियों की प्रभावी निगरानी तथा हाथीदृमानव द्वंद को न्यूनतम करने के उद्देश्य से वन अमला एवं रैपिड रिस्पांस टीम के सदस्यों को ड्रोन संचालन का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

वनमण्डलाधिकारी जशपुर वन मंडल शशि कुमार ने बताया कि ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम को चरणबद्ध रूप से विभिन्न उपवन मण्डलों में आयोजित किया गया। जिसमें संबंधित उपवनमण्डलों के समस्त वन परिक्षेत्रों के कर्मचारी एवं आरआरटी सदस्य सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के तहत पत्थलगांव उपवन मंडल के सभी वन परिक्षेत्रों हेतु 24 जनवरी 2026 को नारायणपुर में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसी प्रकार कुनकुरी उपवन मंडल के अंतर्गत समस्त वन परिक्षेत्रों के वन अमला एवं आरआरटी सदस्यों को 25 जनवरी 2026 को कुनकुरी में ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद जशपुर उपवन मंडल के समस्त वन परिक्षेत्रों के लिए 27 जनवरी 2026 को मनोरा में प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ड्रोन के माध्यम से हाथियों की लोकेशन ट्रैकिंग, उनके मूवमेंट की सतत निगरानी, रात्रिकालीन सर्वेक्षण, संवेदनशील ग्रामों के आसपास सतर्कता बरतने तथा आपात परिस्थितियों में त्वरित और सुरक्षित कार्रवाई से संबंधित व्यवहारिक जानकारी दी गई। ड्रोन तकनीक के उपयोग से दुर्गम एवं घने वन क्षेत्रों में भी वास्तविक समय में सटीक सूचना प्राप्त करना संभव हो सकेगा। वन विभाग द्वारा की गई यह आधुनिक तकनीकी पहल हाथियों की गतिविधियों पर समय रहते निगरानी सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होगी।

वन उत्पादों के व्यापार को प्रोत्साहन, अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती: मंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत आम बजट में तेंदूपत्ता उद्योग से जुड़े लाखों लोगों के हित में एक ऐतिहासिक और राहतपूर्ण निर्णय लिया गया है। सरकार ने तेंदूपत्ता व्यापार पर लगने वाली टीसीएस की दर को 5 प्रतिशत से घटाकर मात्र 2 प्रतिशत कर दिया है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के सम्बन्ध में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि इस निर्णय से तेंदूपत्ता संग्राहकों, प्राथमिक सहकारी समितियों, लघु व्यापारियों और वन आधारित आजीविका से जुड़े परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। दर घटने से यह समस्या काफी हद तक समाप्त होगी और वन आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। वनमंत्री केदार कश्यप ने इस जन-हितकारी फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा यह निर्णय दर्शाता है कि केंद्र सरकार देश के वनवासी, आदिवासी और श्रम आधारित उद्योगों की आर्थिक मजबूती को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है।

वनमंत्री कश्यप ने कहा कि तेंदूपत्ता उद्योग को इस फैसले से भरपूर लाभ मिलेगा। टीसीएस दर कम होने से तेंदूपत्ता व्यापार से जुड़े लोगों के हाथ में अधिक नकद राशि रहेगी, जिससे उनकी कार्यशील पूंजी मजबूत होगी। इसका सीधा लाभ तेन्दूपत्ता संग्राहकों मिलेगा। इसके साथ ही तेंदूपत्ता संग्रहण से जुड़े आदिवासी और वनवासी परिवारों को अब कम कर कटौती का सामना करना पड़ेगा, जिससे उन्हें उनके श्रम का पूरा मूल्य मिल सकेगा।

वनमंत्री कश्यप ने कहा कि पहले 5 प्रतिशत टीसीएस छोटे व्यापारियों के लिए बड़ा आर्थिक बोझ था। अब 2 प्रतिशत टीसीएस होने से व्यापार करना आसान और व्यावहारिक होगा। साथ ही कई संग्राहक और छोटे व्यापारी आयकर दायरे में नहीं आते थे, लेकिन टीसीएस कटने के बाद रिफ्रेंड की प्रक्रिया जटिल होती थी। दर घटने से यह समस्या काफी हद तक समाप्त होगी और वन आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। यह निर्णय तेंदूपत्ता जैसे वन उत्पादों के व्यापार को प्रोत्साहित करेगा और ग्रामीण-आदिवासी अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा।

उन्होंने कहा कि यह बजट मानवीय और समावेशी बजट का उदाहरण यह फैसला इस बात का प्रमाण है कि मोदी सरकार का बजट केवल राजस्व बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि गरीब, आदिवासी, श्रमिक और वन आश्रित समुदायों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की स्पष्ट सोच के साथ तैयार किया गया है। वनमंत्री केदार कश्यप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय तेंदूपत्ता उद्योग से जुड़े लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला सिद्ध होगा।

पीला पीतांबर धारण कर भगवान श्री राजीव लोचन का अलौकिक श्रृंगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। माघ पूर्णिमा पर भगवान श्री राजीव लोचन के प्रकटोत्सव के अवसर पर धर्म नगरी राजिम में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस पावन अवसर पर भगवान श्री राजीवलोचन का अलौकिक श्रृंगार कर उन्हें प्रात: 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक श्रद्धालुओं को दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। तड़के लगभग 3 बजे मंदिर के पट खोले गए, जिसके पश्चात विधि-विधान से सप्तधारा अभिषेक किया गया। भगवान को गंगाजल से स्नान कराया गया, जिसमें दूध, दही, शहद, मधुरस, चंदन, घी एवं शक्कर का प्रयोग किया गया। इसके बाद भगवान को नवीन वस्त्र के रूप में पीला पीतांबर धारण कराया गया तथा भोग-नैवेद्य समर्पित किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं की भीड़ दर्शन करने उमड़ पड़ी।

पट खुलने से पूर्व ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर परिसर में कतारबद्ध होकर खड़े रहे। भक्त हाथों में नारियल, पुष्प, अगरबत्ती, तुलसी दल सहित पूजन सामग्री लेकर भगवान श्री राजीवलोचन के जयकारे लगाते हुए सीढ़ियां चढ़कर महामंडप पहुंचे और जगमोहन के समीप खड़े होकर दर्शन करते रहे। भगवान के अलौकिक श्रृंगार को निहारते हुए श्रद्धालु एकटक देखते ही रह गए।

श्रृंगार में भगवान के सिर पर मुकुट, गले में हार, कर्णों में कुंडल, हृदय पर भृगुलता का चिन्ह, देह पर यज्ञोपवीत, बाजूबंद, कमर में करधन सुशोभित थे। उनकी श्यामवर्णी प्रतिमा अत्यंत जीवंत प्रतीत हो रही थी, जिसने प्रत्येक दर्शनार्थी को भावविभोर कर दिया।

बाल स्वरूप में देते हैं भगवान दर्शन

पुरोहित पं. विजय शर्मा, पं. संतोष शर्मा, पं. रूपेश शर्मा एवं पं. अक्षत शर्मा ने बताया कि जन्मोत्सव के अवसर पर भगवान श्री राजीव लोचन बाल स्वरूप में दर्शन देते हैं। भगवान श्री राजीव लोचन, भगवान विष्णु के स्वरूप हैं, जिनके चारों हाथों में शंख, चक्र, गदा और पद्म सुशोभित हैं।

प्राचीन कला-नक्काशी ने मोहा मन: धर्मनगरी राजिम में स्थित यह मंदिर कलचुरी कालीन माना जाता है, जिसका निर्माण सातवीं से चौदहवीं शताब्दी के मध्य का बताया जाता है। मंदिर की उत्कृष्ट नक्काशी और मूर्तिकला इतिहासकारों, कला प्रेमियों, पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है। मंदिर परिसर

50 हजार के गेंदा फूलों से सजा महामंडप

मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक पुरुषोत्तम मिश्रा ने बताया कि राजधानी रायपुर से लगभग 50 हजार रुपये के गेंदा फूल मंगाकर महामंडप को भव्य रूप से सजाया गया। बारह स्तंभों पर टिके महामंडप की सजावट देखते ही बन रही थी। मंदिर के सेवाकार चंद्रभान सिंह ठाकुर, रामकुमार सिंह ठाकुर, श्रवण सिंह ठाकुर, राजेन्द्र मनु, बैकुंठ सिंह ठाकुर, महेंद्र सिंह ठाकुर, रमेश सिंह ठाकुर, ओम सिंह ठाकुर, नरेंद्र सिंह ठाकुर सहित अन्य ने बताया कि दोपहर 12 बजे मंदिर में पताका चढ़ाई गई, जिसके दौरान श्रद्धालु कुछ समय के लिए ठहर गए थे। भगवान श्री राजीवलोचन के प्रकटोत्सव में उड़ीसा के पुरी से भगवान जगन्नाथ का प्रतीकात्मक स्वरूप भी दर्शन हेतु पहुंचा। उनके आगमन के पश्चात पुन: पताका चढ़ाई गई।

दो भागों में विभक्त है।

प्रथम भाग में भगवान श्री राजीव लोचन का मुख्य मंदिर है, जिसके चारों कोनों में वराह अवतार, नरसिंह अवतार, वामन अवतार एवं बद्रीनारायण भगवान के मंदिर स्थित हैं। वहीं साक्षी गोपाल, भगवान का विराट स्वरूप एवं दाईं ओर महाप्रभु जगन्नाथ विराजमान हैं। द्वितीय परिसर में दानदानेश्वर महादेव, राजराजेश्वर महादेव, राजिम भक्तिन माता मंदिर एवं सूर्यदेव के मंदिर स्थित हैं। प्रत्येक स्तंभ पर उत्कीर्ण मूर्तिकला अद्भुत शिल्पकला का उदाहरण प्रस्तुत करती है।

खास खबर

नशे के लिए अपचारी बालक करते थे बाइक की चोरी

कोरबा। कोरबा नशे की लत के चलते 3 अपचारी बालक शहर के अलावा पड़ोसी जिले से भी बाइक चोरी करते थे। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उन्हें पकड़कर चोरी की 3 बाइक बरामद किया। शहर के सिविल लाइन थाना समेत सीएसईबी चौकी क्षेत्र से दोपहिया वाहनों की चोरी के मामले में पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच करते हुए शहर में रहने वाले 3 अपचारी बालक को पकड़ा। पूछताछ करने पर उक्त अपचारी बालकों ने शहर के अलावा पड़ोसी जिला जांजगीर-चांपा के बलौदा से बाइक चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर बलौदा (जांजगीर-चांपा) से चोरी किए गए बाइक समेत 3 बाइक मिले। अपचारी बालक उक्त बाइक को चोरी करने के बाद बेचकर मिले हुए रकम से अपने नशे की लत को पूरा करते थे।

रुपए नहीं देने पर पेट्रोल पंप कर्मी से मारपीट, 4 गिरफ्तार

रायगढ़। कोतरारोड थाना क्षेत्र के कुरमापाली पेट्रोल पंप पर बुधवार सुबह युवकों ने कर्मचारियों से शराब के लिए पैसे मांगे। कर्मचारियों ने मना किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। खगपति पटेल के अनुसार वे रात्रि शिफ्ट कर्मचारी कमलेश पटेल और मनीष कुमार पटेल के साथ मौजूद थे। पैसे न देने पर आरोपियों ने पहली बार हमला किया और बाइक से चले गए। कुछ देर बाद वे दो अन्य साथियों के साथ लौटे और फिर हमला किया। घायल कर्मचारियों को जिला अस्पताल भेजा गया । थाना प्रभारी निरीक्षक मोहन भारद्वाज ने सीसी फुटेज और मौके की जांच के आधार पर आरोपियों की पहचान की। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोटरसाइकिलें, 3580 रुपए नकद और एक डॉट पेन जब्त किया। आरोपियों में भानु प्रताप बघेल (42), कौशल बघेल (40), उत्तरा कुमार बघेल(40) और सुभाष बघेल (23) शामिल हैं।

स्कूलों के पास तंबाकू बेच रहे 110 दुकानदार, कटा चालान

जशपुरनगर। नव-पदस्थ डीआईजी डॉ. लाल उमेद सिंह के कड़े रुख के बाद जिले भर में स्कूलों और कॉलेजों के आसपास तंबाकू उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ हड़कंप मच गया है। नियमों को ताक पर रखकर शिक्षण संस्थानों के 100 गज के दायरे में सिगरेट और गुटखा बेचने वाले 110 दुकानदारों पर पुलिस ने कोटपा एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की है। सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा) 2003 के अनुसार, किसी भी शैक्षणिक संस्थान के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री दंडनीय अपराध है। इसे गंभीरता से लेते हुए डीआईजी डॉ. लाल उमेद सिंह ने औषधि एवं खाद्य विभाग के साथ मिलकर जशपुर पुलिस की संयुक्त टीम को मैदान में उतारा और जिले के समस्त थाना व चौकी क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी की गई। इस दौरान पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने सार्वजनिक स्थानों, बस स्टैंड और स्कूल-कॉलेजों के आसपास स्थित दुकानों की सघन जांच की।

दुर्ग में लाखों की चोरी का खुलासा

घर पर काम करने वाली महिला निकली चोरनी, 20 लाख के जेवर बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र के तहत एक मकान में लाखों की चोरी का मामला पुलिस ने चंद घंटों में सुलझा लिया। चोरी की वारदात को किसी और ने नहीं बल्कि घर पर काम करने वाली महिला ने ही अंजाम दिया था। सीसी टीवी फुटेज के आधार पर पुलिस महिला तक पहुंची। आरोपिया के पास से पुलिस ने 20 लाख रुपए के जेवर बरामद किए।

दरअसल इस मामले में एचआईजी-157, मिनी क्रिकेट स्टेडियम के सामने पद्मनाभपुर निवासी राहुल जैन ने शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि उसके घर से सोने-हीरे के आभूषण चोरी हो गए हैं। रिपोर्ट पर थाना पद्मनाभपुर में धारा 331(4), 305(1) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान पुलिस द्वारा तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज एवं मुखबिर सूचना के आधार पर संदेही महिला स्टेशन मरोदा निवासी कविता देशलहरे को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी पूर्व से ही प्रार्थी के घर में घरेलू कामकाज करती थी तथा विश्वास में लेकर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए 24 घंटे से कम समय में चोरी का सफल खुलासा किया गया।

आरोपिया के कब्जे से चोरी गए सोने-हीरे के आभूषण एवं अन्य सामग्री बरामद किया गया। पुलिस ने एक नग हीरे जड़ी सोने की चैन, दो नग मंगलसूत्र, एक नग नेकलेस, दो नग कान के झुमके, एक नग चांदी का करधन, एक नग बड़ी पायल, एक नग छोटी पायल व दो नग बिछिया जब्त किया। उक्त कार्यवाही में थाना पद्मनाभपुर में पदस्थ थाना प्रभारी राजकुमार लहरें एवं थाना स्टाफ की त्वरित, सतर्क एवं प्रभावी भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि घरेलू कामकाज हेतु नियुक्त कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन अवश्य कराएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। अपराध करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

13 साल की नाबालिग से दुष्कर्म का एक और आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 13 साल की नाबालिग से 8 वर्षों तक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। प्रकरण में शेष आरोपियों की तलाश जारी है।

बता दें इस मामले में पीड़िता की ओर से पिछले दिनों महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। पीड़िता के साथ वर्ष 2018 से 11.10.2025 के बीच लगभग 8 वर्षों से सामूहिक दुष्कर्म होता रहा। इस मामले में महिला थाना दुर्ग पुलिस द्वारा सतत विवेचना की जा रही है। विवेचना के दौरान प्रकरण में संलिप्त एक अन्य आरोपी की संलिप्तता प्रमाणित होने पर उसे चिन्हित किया गया। पुलिस ने इस मामले में राजनांदगांव निवासी गोविंद सिंह नागवंशी को गिरफ्तार किया है।

आरोपी को सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रलोभन देकर कराना चाह रही थी धर्मांतरण, दो महिलाएं गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में पुलिस ने धर्मांतरण के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। कामकाजी महिला की शिकायत पर पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। दोनों महिलाएं आर्थिक लाभ, बीमारी ठीक कराने व बेहतर इलाज कराने का प्रलोभन दे रही थी। महिला की शिकायत पर पुरानी भिलाई पुलिस ने मामला दर्ज किया और आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया। दोनों महिलाओं पर धारा 299 बीएनएस एवं धारा 04 छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में पदुम नगर चरोदा निवासी रूखमणी पाण्डेय (36) लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदन में उल्लेख किया गया कि वह घरेलू कार्य एवं खाना बनाने का कार्य करती है। उसने बताया कि 25 जनवरी को दो अज्ञात महिलाएं उनके घर आईं, जिनके द्वारा ईसाई धर्म अपनाने पर बीमारी ठीक होने एवं आर्थिक सहायता मिलने का प्रलोभन दिया गया।

प्रार्थिया द्वारा सहमति नहीं देने पर वे महिलाएं चली गई थीं। 1 फरवरी य को वही दोनों महिलाएं पुन: प्रार्थिया के घर आईं और ईसाई धर्म अपनाने, बाइबिल पढ़ने, आर्थिक सहायता, इलाज एवं बेटी की शादी में सहयोग देने का प्रलोभन दिया गया। प्रार्थिया एवं परिजनों द्वारा इसका विरोध किया गया। तत्पश्चात प्रार्थिया द्वारा थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। इस मामले में पुलस ने धारा 299 बीएनएस एवं धारा 04 छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान सारिका डाडिंगे (42) निवासी खुर्सीपार तथा प्रियंका साईमन (33) निवासी कुम्हारी को गिरफ्तार किया गया। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी प्रकार के प्रलोभन, दबाव या बहकावे में न आएं। इस प्रकार की गतिविधियों की सूचना तत्काल नजदीकी थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को दें। कानून के विरुद्ध कार्य करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

बड़बिल बैंक डकैती का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राउरकेला। केंदूझर जिले के बड़बिल थाना क्षेत्र में बैंक ऑफ महाराष्ट्र में हुई डकैती के मुख्य आरोपी और अंतरराज्यीय मोस्ट वांटेड अपराधी सिपु कुमार को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि बड़बिल थाना में दर्ज डकैती प्रकरण में तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि मुख्य आरोपी सिपु कुमार घटना के बाद से फरार था। वह बिहार के पटना जिले के पिपरा गांव का निवासी है। उसके खिलाफ ओडिशा, बिहार और झारखंड में हत्या, डकैती, अवैध हथियार रखने, चोरी और जबरन वसूली जैसे कई मामले दर्ज हैं। पिछले एक सप्ताह से उसकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। सूचना मिली थी कि आरोपी टांकुरा जंगल में छिपा है। देर रात विशेष ऑपरेशन शुरू किया गया। खुद को घिरा देख आरोपी ने पुलिस पर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की फायरिंग से उसके पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने उसके पास से एक देसी बंदूक बरामद की। घायल अवस्था में उसे इलाज के लिए बड़बिल मेडिकल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कहा कि बैंक डकैती सहित उससे जुड़े अन्य मामलों की जांच तेज कर दी गई है।

इंस्टाग्राम रील बनाती थी पत्नी, पति ने जताई नाराजगी तो हुआ विवाद और लगा ली फांसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इंस्टा रील बनाने वाली पत्नी ने पति से विवाद के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दरअसल मजदूर पति को यह पसंद नहीं था कि उसकी पत्नी रील्स बनाए और इस बात हो लेकर अक्सर विवाद होता था। इसी विवाद के बीच आखिरकार पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना सूचना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। पीएम के बाद एक फरवरी यानी रविवार को मृतका का अंतिम संस्कार किया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला छावनी थाना क्षेत्र का है।

पुलिस ने बताया कि महिला का नाम अंजली साव (35) है। अंजली साव अपने पति पप्पू साव और दो बच्चों के साथ रहती थी। वह गृहिणी थी और इंस्टाग्राम पर रील बनाती थी। जबकि पति मजदूरी करता है। पत्नी का सोशल मीडिया पर रील बनाना पति को बिल्कुल भी पसंद नहीं था। इसी बात को

लेकर मना करने पर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। इसी बात को लेकर 30 जनवरी को दंपती में विवाद हुआ।

शाम को जब बच्चे ट्यूशन गए तो उसने पंखे से लटककर जान दे दी। जब बच्चे लौटे तो अंजली फंदे से लकटते मिली। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने फौरन पुलिस और पति को मामले की जानकारी दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारा और पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।

पोस्टमॉर्टम के बाद शव को परिजनों के हवाला कर दिया गया। रविवार को अंजलि का अंतिम संस्कार किया गया।

बिलासपुर में ड्रग तस्करों के खिलाफ कार्रवाई 34 ग्राम हेरोइन के साथ तीन गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। थाना चकरभाठा और एसीसीयू टीम ने तीन अंतरराज्यीय नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 34 ग्राम हेरोइन बरामद की। पुलिस ने पिछले तीन दिनों में जिलेभर में सात मामले दर्ज कर नशीली टैबलेट, इंजेक्शन और गांजा भी जब्त किया।

गिरफ्तार आरोपियों में मोहित हिंदूजा (32 वर्ष, चकरभाठा वार्ड नं. 07), करन दीप सिंह (29 वर्ष, चकरभाठा वार्ड नं. 12) और आर. रजिंदर कुमार (35 वर्ष, ग्राम खेमकरण, जिला तरनतारन, पंजाब) शामिल हैं।

पुलिस को सूचना मिली थी कि ये तीनों अवैध मादक पदार्थ लेकर नशेड़ियों को बेचने घूम रहे हैं। हिर्री माइंस, तिलक नगर क्षेत्र में घेराबंदी कर इन्हें हिरासत में लिया गया। पूछताछ में सामने आया कि करन दीप सिंह दूसरे राज्य से ड्रग लाकर मोहित हिंदूजा को देता था और आर. रजिंदर के साथ मिलकर इसे महंगे दामों पर बेचता था।

इसके अलावा, पिछले तीन दिनों में जिलेभर में नशे के खिलाफ अभियान में सात प्रकरण दर्ज किए गए। इस दौरान 1300 नशीली टैबलेट, 400 एमएल एविल इंजेक्शन और 2 किलो गांजा जब्त किया गया।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशे के कारोबार को किसी भी हालत में बढ़ने नहीं दिया जाएगा और इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

4 शातिर मौज करने के लिए चोरी की वारदात को देते थे अंजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। शहर में सूने मकानों को निशाना बनाकर लगातार हो रही चोरियों का बस्तर पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने पंजाब, हरियाणा और भिलाई से जुड़े एक अंतरराज्यीय चोरी गिरोह के चार शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 15 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवर, नकदी, बोलेरो वाहन, मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल औजार जब्त किए गए हैं।

गिरोह के एक आरोपी के खिलाफ पहले से सात से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक 29 जनवरी की रात थाना कोतवाली क्षेत्र के सन सिटी कॉलोनी और बोधघाट थाना क्षेत्र की वृंदावन कॉलोनी में सूने मकानों का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था।

घटनाओं की समानता, वारदात का तरीका और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपियों को चिन्हित किया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी बोलेरो वाहन से शहर में घूमकर पहले सूने मकानों की रैकी करते थे। गिरोह के दो सदस्य वाहन में बैठकर निगरानी रखते थे, जबकि दो आरोपी वॉकी-टॉकी और औजारों के साथ घर के अंदर घुसते थे। आपसी संपर्क के लिए वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल किया जाता था। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी चोरी के बाद ओडिशा बॉर्डर पार कर विशाखापट्टनम की ओर भागने की फिराक में थे। 31 जनवरी को दोबारा चोरी की नीयत से जगदलपुर पहुंचे आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर पकड़ा।

गिरफ्तार आरोपियों में अभिषेक खंडारा (पंजाब), नरेंद्र सिंह और विक्की वर्मा (भिलाई) तथा विशाल वाल्मीक (हरियाणा) शामिल हैं।

3 लाख की सागौन सहित 6 गिरफ्तार हुए

बीजापुर। बीजापुर पामेड़ अभ्यारण्य क्षेत्र स्थित धरसावास क्षेत्र से अवैध लकड़ी कटाई और फर्नीचर निर्माण के खिलाफ वन विभाग की टीम ने छापेमार कार्रवाई की। धरसावास स्कूल के पीछे पुलिया के नीचे वन विभाग की टीम ने मुखबिर की सूचना पर दबिश दी। यहां सागौन की लकड़ी से अवैध रूप से फर्नीचर बनाए जा रहे थे। मौके से मशीनें, निर्मित व अर्द्धनिर्मित फर्नीचर और कुल 3.652 घनमीटर सागौन की लकड़ी जब्त की गई।

रायपुर में 3 दुकानों से 7 लाख कैश चोरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात चोरों ने तीन दुकानों के ताले तोड़कर गल्लों में रखी 7 लाख रुपए से अधिक की नकदी पर हाथ साफ किया है। पीड़ित कारोबारियों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरोपी मुंह में कपड़ा बांधकर दुकानों में घुसे थे। फिलहाल, पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी हुई है। वहीं, पीड़ित कारोबारियों के नाम शिव कुमार वर्मा और मोहम्मद अमजद बताए गए हैं। लाभांडी निवासी शिव कुमार वर्मा (70) ने बताया कि उनकी पंडरी स्थित लब-डब नाम से कपड़े की दुकान है। 31 जनवरी की रात करीब 10 बजे वे दुकान बंद कर घर चले गए थे।

1 फरवरी की सुबह करीब 10 बजे जब उन्होंने दुकान खोली तो देखा कि गल्ले का दराज खुला हुआ था और उसमें रखी बिक्री की रकम करीब 2 लाख 75 हजार रुपए गायब थी। जांच करने पर पता चला कि चोर छप्पर की टिन शेड तोड़कर दुकान के भीतर घुसे थे।

इसी तरह पास ही स्थित नोवा फर्नीचर दुकान के छप्पर को तोड़कर चोरों ने गल्ले में रखे करीब 1 लाख 40 हजार रुपए चोरी कर लिए। वहीं तीसरी वारदात डिजाइनर सेनिटेशन और हार्डवेयर दुकान में हुई, जहां छप्पर तोड़कर घुसे चोर करीब 2 लाख 85 हजार रुपए नकद ले उड़े। तीनों दुकानों से कुल करीब 7 लाख रुपए की नकदी चोरी होने की बात सामने आई है।

पीड़ित कारोबारियों की शिकायत पर पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। कैमरों की रिकॉर्डिंग में साफ दिखाई दे रहा है कि आरोपी मुंह में कपड़ा बांधकर दुकानों में घुसे, वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए। पुलिस ने दुकान संचालकों के साथ ही दुकानों में काम करने वाले कर्मचारियों के भी बयान दर्ज किए हैं। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रेलवे ट्रैक में मिली मादा चीतल की लाश

बालोद। जिले में ट्रेन की चपेट में आने से एक मादा चीतल की मौत हो गई। यह दुर्घटना बालोद-दल्लीराजहरा रेलमार्ग पर भैंसबोड़ रेलवे क्रासिंग के समीप हुई। वन्यजीवों का एक झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था, तभी वहां से गुजर रही मालगाड़ी की चपेट में एक मादा चीतल आ गई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चीतल के शरीर के दो हिस्से हो गए और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। विभाग ने पशु चिकित्सकों से मृत मादा चीतल का पोस्टमार्टम कराया। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, मृत चीतल की उम्र करीब पांच वर्ष थी।

प्रमुख खबरें

5वीं-8वीं एकीकृत वार्षिक परीक्षा की तैयारी तेज

सुकमा। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशानुसार कक्षा 5वीं एवं 8वीं की एकीकृत वार्षिक परीक्षा की तैयारी को लेकर जिला शिक्षा विभाग द्वारा बैठकों का क्रम प्रारंभ किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी जीआर मंडावी की अध्यक्षता में जिला शिक्षा कार्यालय के सभाकक्ष में महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की गईं। प्रश्नपत्र निर्माण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। प्रश्नपत्र ब्लू-प्रिंट के आधार पर तैयार किए जाएंगे तथा मॉडरेशन समिति द्वारा उनका परीक्षण किया जाएगा। जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 5वीं एवं 8वीं के सभी विद्यार्थी अनिवार्य रूप से परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

राज्य पैरा एथलेटिक्स में ओंकारेश्वर को दो स्वर्ण

कोरबा। रायपुर में आयोजित 16वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता वर्ष 2025-26 में ओंकारेश्वर प्रसाद सोनवानी, निवासी ग्राम खोडुल, जिला कोरबा (छत्तीसगढ़) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भाला फेंक एवं गोला फेंक स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ द्वारा प्रतियोगिता का आयोजन 28 जनवरी से 30 जनवरी तक किया गया था। ओंकारेश्वर ने बताया कि यह सफलता कड़ी मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिणाम है। उनका लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर की पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम रोशन करना है।

किसान मेले में 500 युवकों के कड़े उतरवाकर किए जप्त

कोरबा-कटघोरा। जिले के कटघोरा क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं की आशंका को देखते हुए पुलिस की सतर्कता एक बार फिर सामने आई है। कटघोरा थाना क्षेत्र में आयोजित किसान मेले के दौरान पुलिस ने एहतियातन बड़ी कार्रवाई करते हुए कड़े पहनकर घूम रहे युवकों से कड़े उतरवाकर जब्त किए हैं। यह पूरी कार्रवाई थाना प्रभारी धर्म नारायण तिवारी के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक राम पांडेय व उनकी टीम द्वारा की गई।

ऐतिहासिक सिरपुर महोत्सव का भव्य शुभारंभ मलेशिया, कोरिया, जापान से पहुंचे बौद्ध विचारक

महोत्सव के शुभारंभ से पहले ही जिले मिली को लगभग 200 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

सिरपुर। सुप्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल सिरपुर में आयोजित तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव का भव्य शुभारंभ आज मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के करकमलों से हुआ। मुख्य मंच पर मुख्यमंत्री श्री साय ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खाद्य मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल ने किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिलेवासियों को माघी पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महानदी के तट पर स्थित गंधेश्वर महादेव के आशीर्वाद से यह क्षेत्र निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। सिरपुर छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश की सांस्कृतिक पहचान है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि आज जिले को लगभग 200 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी गई है, जिससे सड़क, पुल, पेयजल, पर्यटन, पेयजल एवं अधोसंरचना के क्षेत्र में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि सरकार सिरपुर को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अंतर्गत आधुनिक सड़क, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, पर्यटक सुविधा केंद्र एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर का टूरिस्ट कॉरिडोर विकसित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सिरपुर की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस गौरवशाली विरासत से परिचित हो सकें।

इस अवसर पर विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिन्हा, विधायक बसना संपत अग्रवाल, साजा विधायक ईश्वर साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष मोंगरा पटेल, छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम के अध्यक्ष चन्द्रहास चन्द्राकर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर, नगर पालिका अध्यक्ष महासमुंद निखिल कांत साहू, जनपद पंचायत अध्यक्ष दिशा दीवान, नगर पंचायत अध्यक्ष बसना डॉ. खुशबू अभिषेक अग्रवाल, पूर्व विधायक डॉ विमल चोपड़ा, राज्य मुख्य आयुक्त, भारत स्काउट एवं गाइड संघ इंद्रजीत सिंह खालसा गोल्डी, जनपद पंचायत सदस्य दशरी ध्रुव एवं भारत स्काउट एवं गाइड संघ के अध्यक्ष येतराम साहू एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि आज इस पावन धरती सिरपुर में इस ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महोत्सव का साक्षी बनने का अवसर मिला है। यह वही भूमि है जहाँ धर्म, कला और ज्ञान का अद्भुत संगम हुआ है।

विधायक श्री सिन्हा ने कहा कि आज हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सिरपुर के संरक्षण, विकास और वैश्विक पहचान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सड़क, बिजली, जल, पर्यटन सुविधाओं और आधारभूत संरचनाओं के विकास से यह क्षेत्र नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर हो रहा है।

इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, कलेक्टर विनय लंगेह, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, साडा के सीईओ धम्म शील गणवीर, जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, प्रशानिक अधिकारी एवं आम नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

सिरपुर बनी जिले की पहचान, बन रही हैं नई संभावनाएं : दयालदास बघेल

खाद्य मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि सिरपुर महोत्सव आज जिले की विशिष्ट पहचान बन चुका है। उन्होंने कहा कि सिरपुर महोत्सव के माध्यम से जिले को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है और रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। इससे युवाओं को आगे बढ़ने का मंच मिल रहा है और स्थानीय प्रतिभाओं को नई दिशा प्राप्त हो रही है। प्रभारी मंत्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं एवं गरीब वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सिरपुर में मिला सनातन, बौद्ध व जैन संस्कृति को विस्तार : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज यहां मलेशिया, कोरिया, जापान के बौद्ध विचारक पधारे है, उनका मै स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा कि सिरपुर में सनातन, बौद्ध और जैन संस्कृति का विस्तार हुआ, यह संस्कृति का अदभुत संगम है।

सिरपुर में पर्यटन की विकास की संभावनाओं को देखते हुए सरकार इसे विश्व धरोहरों में शामिल करने गंभीरता से प्रयास कर रही है। देश दुनिया में सिरपुर का नाम होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंचल के विकास के लिए सिरपुर बैराज की स्वीकृति भी जल्दी होगी। सिकासेर जलाशय से कोडार जलाशय में पानी लाने के लिए योजना पर शीघ्रता से कार्य जारी है। इससे क्षेत्र के किसानों को लगातार पानी मिलेगा और खेती किसानी की उन्नति होगी।

तीरथगढ़ माघ पूर्णिमा मेले की भव्य शुभारंभ विश्व प्रसिद्ध है यहां का विहंगम जलप्रपात

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। बस्तर के सुप्रसिद्ध पर्यटन स्थल तीरथगढ़ जलप्रपात में आयोजित माघ पूर्णिमा मेले का शुभारंभ शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व क्षेत्रीय विधायक किरण देव ने किया। 31 जनवरी से 2 फरवरी तक चलने वाले इस तीन दिवसीय मेले में क्षेत्र भर से बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

मेले में आगमन पर ग्रामवासियों ने विधायक का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर धुरवा नाचा दल ने अपनी लोकनृत्य प्रस्तुति से अतिथियों का अभिनंदन किया, जिसने कार्यक्रम को सांस्कृतिक रंगों से भर दिया।

सभा को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि बस्तर की कला, संस्कृति और परंपराएं पूरे देश में विशिष्ट पहचान रखती हैं। यहां के मेले, मंडई, जात्रा और लोक उत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के प्रतीक हैं। उन्होंने मेला आयोजन से जुड़े सभी ग्रामवासियों को बधाई देते हुए इस परंपरा को आगे बढ़ाने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि तीरथगढ़ जलप्रपात की ख्याति देश-विदेश तक फैली हुई है। माघ पूर्णिमा मेले के दौरान यहां हजारों की संख्या में लोगों की उपस्थिति क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करती है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी, जनपद अध्यक्ष मानकदई कश्यप, उपाध्यक्ष हरिप्रसाद कश्यप, मंडल अध्यक्ष देवीप्रसाद बेंजाम, सरपंच मंगलू कश्यप सहित कई जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन मौजूद रहे।

रेत खदान आवंटन के लिए ऑनलाइन बोली की अंतिम तिथि 3 फरवरी

सारंगढ़ बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम् 2025 के नियम-7 के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) के माध्यम से पहले चरण में कुल 02 साधारण रेत उत्खननपट्टा खदान अमलडीहा तहसील बिलाईगढ़ एवं पासीद तहसील सारंगढ़ आवंटन किया जाना है, जिस हेतु अर्हता प्राप्त बोलीदार इलेक्ट्रॉनिक नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) में भाग ले सकता है.इलेक्ट्रॉनिक नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) हेतु तकनीकी एवं वित्तीय बोली 03 फरवरी 2026 को शाम 5:30 बजे तक जमा की जाएगी। बोलियां केवल एमएसटीसी पोर्टल के ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से स्वीकार की जाएगी। निविदा के नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी एमएसटीसी पोर्टल, खनिज साधन विभाग एवं जिला कार्यालय की वेबसाईट, कार्यालय कलेक्टर खनिज शाखा, में उपलब्ध है।

महानदी, पैरी और सोंढूर के संगम पर राजिम कुंभ कल्प का राज्यपाल ने किया भव्य शुभारंभ

राजिम छत्तीसगढ़ की आस्था का प्रतीक - राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। त्रिवेणी संगम राजिम के पावन तट पर नवीन मेला मैदान राजिम में आयोजित राजिम कुंभ कल्प मेला के शुभारंभ अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल सहित अतिथियों एवं संत-महात्माओं ने भगवान राजीवलोचन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि राजिम की यह पावन भूमि, जहां महानदी, पैरी और सोंढूर नदियों का संगम होता है, अत्यंत पुण्य और ऐतिहासिक महत्व रखती है।

श्री डेका ने कहा कि राजिम के कुंभ मेला में आकर अत्यंत शांति महसूस होती है। धर्म, आस्था और संस्कृति के इस संगम राजिम कुंभ मेले में देश के विभिन्न प्रांतों से आए साधु-संतों, श्रद्धालुजनों का मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूं। कुलेश्वर महादेव तथा राजीव लोचन भगवान, राजिम भक्तिन माता से प्रार्थना करता हूं कि हमारे देश और प्रदेश पर अपना आशीर्वाद बनाये रखें जिससे यहां हमेशा सुख-शांति और खुशहाली कायम रहे।

राज्यपाल ने आगे कहा कि राजिम प्राचीन समय से ही शैव और वैष्णव धर्म के केंद्र के रूप में विख्यात एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। यहां राजीवलोचन मंदिर में भगवान विष्णु चतुर्भुज स्वरूप में विराजमान है। यहां भगवान शिव कुलेश्वर महादेव के रूप में विराजमान हैं।

आधुनिक युग में हमें अपनी कला, साहित्य और संस्कृति को आरक्षित और उन्नत करने की आवश्यकता है। हमें इस प्रकार के कला, संस्कृति और धार्मिक आयोजनों के लिए अपने प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता है, जिससे छत्तीसगढ़ पर्यटन मानचित्र में और उभर कर सामने आ सके। यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक चेतना को जागृत करेगा, बल्कि पर्यटन, लोक संस्कृति को भी नई दिशा देगा। हमारे पूर्वजों ने नदियों, सरोवरों और वृक्षों की महत्ता और उनके संरक्षण पर विशेष बल दिया। आज आवश्यकता है कि हम अपने पूर्वजों द्वारा दिखाए राह पर चलें। माइक्रो प्लास्टिक की रोकथाम के उपाय करें।

संभाग आयुक्त महादेव कावरे ने स्वागत भाषण में कहा कि त्रिवेणी संगम केवल नदियों की धाराओं का संगम नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और सनातन संस्कृति का प्रतीक है। राजिम कुंभ कल्प मेला सामाजिक समरसता, एकता का संदेश देता है।

संत राजीव लोचन महाराज ने कहा कि 2006 से छत्तीसगढ़ के प्रयाग के रूप में पहचान बना चुके राजिम कुंभ कल्प मेला की यह पावन श्रृंखला वर्ष 2026 में पहुंची चुकी है। कुंभ कल्प मेला आज पूरे देश को जोड़ने का कार्य कर रहा है और यह आयोजन भव्यता एवं दिव्यता के साथ प्रगति की ओर अग्रसर है।

पं. युवराज पांडेय ने कहा कि कुंभ पर्व नासिक, हरिद्वार, प्रयागराज एवं उज्जैन जैसे पावन तीर्थों पर आयोजित होता है। इस अवसर पर राज्य गृह भंडार निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, नगर पालिका राजिम अध्यक्ष महेश यादव, नगर पालिका गोबरा नवापारा की अध्यक्षा ओमकुमारी साहू, गरियाबंद कलेक्टर भगवान सिंह उईके, जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर सहित साधु-संत, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

पंचकोशी यात्रा विश्व प्रसिद्ध - डेका

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि कुलेश्वरनाथ महादेव, पटेश्वर नाथमहादेव, चंपेश्वर नाथ महादेव, ब्रम्हकेश्वर नाथ, फनीकेश्वर नाथ महादेव, करपूरेश्वर महादेव की पंचकोशी यात्रा विश्व प्रसिद्ध है। प्राचीन मंदिरों की बहुलता राजिम को पुरातात्विक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता प्रदान करती हैं। इन मंदिरों में मूर्ति कला के गौरवशाली इतिहास के दर्शन होते हैं। शास्त्रों में माघ को पुण्य माह माना गया है। माघ में सदियों से ही पवित्र नदियों एवं त्रिवेणी संगमों में पुण्य स्नान की परंपरा रही है। छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों में मेले का आयोजन की प्राचीन परंपरा है। मेलों में विभिन्न संस्कृतियों का मिलन होता है। नई पीढ़ी अपनी परंपराओं से परिचित होती है। भारत साधु संतों की भूमि रही है। जब किसी स्थान पर साधु संतों के चरण पड़ते हैं तो वह स्थान पवित्र हो जाता है। संतों के दिखाये मार्ग पर चलने से ज्ञान की प्राप्ति होती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है। जहां संतों का सम्मान होता है वहां सुख समृद्धि, शांति और खुशहाली रहती है। उनका जीवन सदैव परोपकार के लिए समर्पित रहता है। संतों के समागम से हम एक बेहतर मनुष्य बनते हैं।

राजिम कुंभ लोक संस्कृति का जीवंत उत्सव : राजेश अग्रवाल

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प पर्व हमारी सांस्कृतिक उत्सव परंपरा और लोक संस्कृति का जीवंत उत्सव है, जो समाज के मूल्यों को और अधिक प्रगाढ़ बनाता है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराएं विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रही हैं। अपने स्थानीय परंपरा का सम्मान करना अत्यंत जरूरी है।

तेंदूभाटा में कर्मा नृत्य महोत्सव की धूम, लोक कलाकारों की मोहक प्रस्तुतियों ने मोह लिया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग के सहयोग से लोकमया छत्तीसगढ़ी लोककला मंच ने बेमेतरा जिले के ग्राम तेंदूभाटा (विकासखंड साजा) में कर्मा नृत्य महोत्सव का आयोजन किया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे स्थानीय नर्तक दलों ने जीवंत प्रस्तुतियों से सैकड़ों दर्शकों का मन मोह लिया।

वरिष्ठ साहित्यकार व लोकसंस्कृति विशेषज्ञ डॉ. परदेशी राम वर्मा ने बताया कि राज्य अलंकरण से सम्मानित घनश्याम सिंह ठाकुर मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विषय विशेषज्ञ डॉ. भुनेश्वर साहू ने की, जबकि पंडवानी गायक महेन्द्र चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ समारोह का शुभारंभ हुआ।

तेंदूभाटा के घनश्याम सिंह ठाकुर के दल ने 20 कलाकारों के साथ मांदर और झाँझ की ताल पर उत्साहपूर्ण कर्मा नृत्य प्रस्तुत किया। इसके पश्चात कबीरधाम जिला (कवर्धा) के सुहागपुर से आए राधेश्याम साहू के नेतृत्व में दल ने अपनी प्रस्तुति दी। ग्राम भाटाटोला की नृत्य मंडली ने भी लोकशैली का मनमोहक प्रदर्शन किया।

आयोजन की सफलता पर घनश्याम सिंह ठाकुर ने छत्तीसगढ़ शासन का संस्कृति विभाग तथा लोकमया लोककला मंच के अध्यक्ष महेश वर्मा सहित सभी कलाकारों और सहयोगियों का आभार जताया। डॉ. भुनेश्वर साहू और महेन्द्र चौहान ने भी लोकसंस्कृति संरक्षण पर विचार व्यक्त किए। 24 जनवरी को सम्पन्न यह आयोजन आसपास के कई गाँवों के लिए यादगार बन गया।

कर्मा लोकनृत्य की परंपरा

कर्मा नृत्य छत्तीसगढ़ के आदिवासी एवं मैदानी क्षेत्रों की प्रमुख लोक परंपरा है, जिसकी शैली क्षेत्र अनुसार बदलती है। लोकमान्यता है कि अकाल के समय राजा ने करम सैनी वृक्ष की डाली रोपकर नृत्य किया और खेती आरंभ की—यहीं से इस नृत्य की परंपरा जुड़ी मानी जाती है। यह नृत्य कृषि संस्कृति और धरती माता से गहरे रूप से जुड़ा है तथा बुवाई और नई फसल के आगमन पर विशेष रूप से किया जाता है।

बस्तर और सरगुजा क्षेत्रों में इसकी अलग-अलग शैलियाँ देखने को मिलती हैं। दशहरा और दीपावली जैसे पर्वों पर भी यह उत्साहपूर्वक किया जाता है। कर्मा नृत्य में महिलाएँ और पुरुष दोनों भाग लेते हैं, जिनकी अलग-अलग मंडलियाँ होती हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950